राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 04 अगस्त 2026 वर्ष-9,अंक-183 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

दो दिन की रणनीतिक बैठक करेगी कॉकरोच जनता पार्टी

कहा-राजनीतिक दल नहीं बनाएंगे,दीपके बोले-स्कॉलरशिप के पैसों से अमेरिका गया था

मुंबई (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी 5 अगस्त से छत्रपति संभाजीनगर में दो दिन की रणनीति बैठक करेगी। इस बैठक में पार्टी के संस्थापक, प्रवक्ता और संगठन से जुड़े लोग शामिल होंगे। पार्टी ने कहा कि वह राजनीतिक दल नहीं बनाएगी। बैठक के बाद सीजेपी देशभर में अपने युवाओं की जरूरतों को समझने के लिए लिसनिंग टूर करेगी। पार्टी फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा कि उन्हें बोस्टन यूनिवर्सिटी से स्कॉलरशिप मिली थी और बाकी पैसों के लिए लोन लिया था, जो अभी चुकाना बाकी है। इससे पहले, सूरत

के एक सीजेपी कार्यकर्ता ने उनके पिता की संपत्ति और फंड की जांच की मांग की थी। और सवाल उठाए थे कि दीपके के पास अमेरिका जाकर पढ़ाई करने के पैसे कहां से आए। **दीपके बोले-जंतर-मंतर पर घुसपैठिए घुसे-** अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया कि जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण छात्र विरोध प्रदर्शन में बाहरी लोगों ने घुसपैठ की थी, जिसके कारण 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान हिंसा हुई। उन्होंने दावा किया कि विरोध को बदनाम करने के लिए बाहर से लोग भेजे गए थे। इन लोगों की दिल्ली पुलिस के साथ मिलीभगत थी। दीपके ने गृह मंत्री अमित शाह और दिल्ली पुलिस पर निशाना साधते हुए कहा कि विरोध प्रदर्शन के दौरान पत्थरबाजी और पुलिस कार्रवाई कैसे हो सकती है। उन्होंने सवाल किया कि क्या पुलिस केवल 12 साल की लड़कियों पर लाठी चलाने के लिए सक्रिय होती है। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस का यह कहना कि विरोध स्थल पर 2100 अपराधी देखे गए थे, यह अमित शाह और पुलिस की विफलता है। उन्होंने इसे पुलिस की सोची-समझी साजिश करार दिया।

स्टूडेंट्स की लीगल मदद के लिए फंड बनाया- कॉकरोच जनता पार्टी ने 27 जुलाई को पेपर लीक आंदोलन के बाद आपराधिक मामलों का सामना कर रहे छात्रों की कानूनी सहायता के लिए लीगल डिफेंस फंड बनाने की घोषणा की थी। सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने इस फंड में 1 करोड़ रुपए देने का ऐलान किया था। उन्होंने देशभर के वकीलों से भी इस कोष में योगदान देने की अपील की थी। सीजेपी के प्रवक्ता सौरव दास ने कहा था कि केंद्र सरकार के आश्वासन के बावजूद देशभर में छात्रों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की आशंका है। उन्होंने यह भी बताया था कि इस मामले में सीजेपी सुप्रीम कोर्ट के वकीलों के संपर्क में है। उस प्रेस कॉन्फ्रेंस में कपिल सिब्बल भी मौजूद थे।

एक ही शिफ्ट में होगा पेपर,घर के पास सेंटर

● नीट पीजी,पेपर लीक से सबक,7.5 करोड़ का टेंडर जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने नीट पीजी 2026 परीक्षा के लिए कई बड़े सुधारों की घोषणा की है। इसमें परीक्षार्थियों की यात्रा और परीक्षा में किसी भी प्रकार की धांधली रोकने के लिए कड़े कदम उठाए गए हैं। इस बार परीक्षा 30 अगस्त को होनी है। इसके लिए 2.73 लाख उम्मीदवारों ने रजिस्ट्रेशन कराया है, जो पिछले साल की तुलना में 12.5 फीसदी ज्यादा है। परीक्षा देशभर के 340 शहरों के लगभग 1300 सेंटर्स पर होगी। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने नीट-यूजी 2026 पेपर लीक से सबक लेते हुए परीक्षा के पूरे इकोसिस्टम की सुरक्षा पुख्ता करना शुरू कर

दिया है। इसके लिए 7.5 करोड़ का टेंडर जारी किया है। इसमें एनटीए मुख्यालय समेत संवेदनशील जगहों पर 24 घंटे सिक्योरिटी दी जाएगी। यह टेंडर 25 जुलाई को जारी हुआ है। 17 अगस्त को बोलियां खोली जाएंगी। जो भी एजेंसी नियुक्त होगी, उसे दो साल काम मिलेगा। **फिंगर प्रिंट नहीं मिले तो आंखें स्कैन कर देंगे एंट्री-** आवेदन और एग्जाम के दिन 'आधार' आधारित वैरिफिकेशन होगा। बायोमीट्रिक जांच होगी। इसके लिए छात्रों को 2-3 घंटे पहले सेंटर पहुंचना होगा। फिंगरप्रिंट न मिलने पर आईरिस (आंखों की पुतली) स्कैन की जाएगी। 60,000 से ज्यादा कर्मियों की तैनाती, सीसीटीवी, सिग्नल जैमर और स्वतंत्र पर्यवेक्षक लाइव निगरानी करेंगे। परीक्षा के कुल 210 मिनट को अलग-अलग सेक्शन में बांटा है।

जहां भिड़े थे भारतीय-चीनी सैनिक अब वहां तक पहुंचेगी भारतीय रेल

● बेहतर कनेक्टिविटी के लिए एक बड़े प्रोजेक्ट पर काम शुरू

17 किमी लंबे नेटवर्क से कनेक्टिविटी को मिलेगा बड़ा बूस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत अपनी सीमाओं की सुरक्षा और बेहतर कनेक्टिविटी के लिए एक बड़े प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है। इस कड़ी में उत्तर बंगाल क्षेत्र में चालसा के पास स्थित खुनिया मोड़ से जलढाका रेलवे प्रोजेक्ट के जरिए भारत-चीन-भूटान ट्राई-जंक्शन के पास बॉर्डर तक कनेक्टिविटी बढ़ाने की योजना बना रहा है। यह प्रोजेक्ट नॉर्थ बंगाल में 17 किलोमीटर का नया स्ट्रेटेजिक रेल लिंक है, जिसकी अनुमानित लागत 272 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इस प्रोजेक्ट का मकसद डुआर्स इलाके में टूरिज्म को बढ़ावा देना है।

प्रोजेक्ट में खर्च होंगे 272 करोड़ रुपये - सिलीगुड़ी के डीएम राजू बिस्टा ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, यह बताते हुए खुशी हो रही है कि रेल मंत्रालय ने जलढाका तक 17 किमी की नई लाइन के लिए लगभग 272 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। यह रास्ता चालसा के पास खुनिया मोड़ से शुरू होगा और जलपाईगुड़ी और कलिम्पोंग फॉरेस्ट डिवीजन से होकर गुजरेगा। जलढाका नदी के रास्ते बनने वाली रेलवे लाइन बहुत अहम है।

जंतर-मंतर वाले प्रदर्शन में स्टूडेंट्स पर नहीं होगा केस

● सुप्रीम कोर्ट में मोदी सरकार ने कर दिया बड़ा दावा

कहा-2700 अपराधियों पर कायम रहेगी एफआईआर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि नीट पेपर लीक को लेकर विरोध करने वाले छात्रों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सोमवार को कहा, 'सरकार अपने वादे पर कायम है। छात्रों के खिलाफ कोई एफआईआर नहीं होगी।' मेहता ने ये भी कहा कि प्रदर्शन के दौरान गंभीर अपराधों को लेकर जिन 2700 से ज्यादा लोगों पर एफआईआर दर्ज हुई हैं, इन्हें वापस नहीं लिया जाएगा। कॉकरोच जनता पार्टी ने इस मसले पर दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया था। उनकी 3 मांगें थी, जो सरकार ने मान ली थीं। इनमें एक मांग यह भी थी कि सरकार विरोध प्रदर्शन करने वालों के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं करेगी। मामले पर अब 18 अगस्त को सुनवाई होगी।

जिन जवानों ने सख्ती की, उन्हें न बचाएं- सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उन याचिकाओं पर सुनवाई की, जिनमें 20 जुलाई के संसद मार्च के दौरान पुलिस पर बर्बरता का आरोप लगाया गया है। वकील वृंदा ग्रोवर ने पूछा कि क्या प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस ली जाएंगी या रद्द की जाएंगी। इस पर मेहता ने कहा कि कानूनी तौर पर जो भी तरीका सही हो, सरकार अपने वादे पर कायम है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि जवानों को बख्शा नहीं जाएगा।

विधानसभा उपचुनाव में बीजेपी को बड़ा झटका

● बिहार में नितिन नवीन की सीट पर भाजपा की हार ● एमपी के दतिया में कांग्रेस, गुजरात में बीजेपी जीती

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार की बांकीपुर सीट (पटना) पर बीजेपी को तगड़ा झटका लगा है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के राज्यसभा जाने के बाद खाली हुई सीट पर अब जन सुराज ने कब्जा कर लिया है। प्रशांत किशोर ने बीजेपी के गढ़ में नीरज कुमार सिन्हा को करारी शिकस्त दे डाली है। इस सीट पर लंबे समय से बीजेपी का वर्चस्व रहा था। लेकिन इस बार पीके के मैदान में उतरने के बाद से सारा पासा ही पलट गया।

बिहार, मध्य प्रदेश और गुजरात की तीन विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों में एमपी के दतिया में कांग्रेस, गुजरात के मंजलपुर में भाजपा जीत गई है। एमपी के दतिया में कांग्रेस उम्मीदवार घनश्याम सिंह ने 6016 वोटों से जीत दर्ज की। भाजपा ने यहां पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटकर आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाया था। आशुतोष नरोत्तम मिश्रा के पोलिंग बूथ पर भी नहीं जीत पाए।

वहीं गुजरात के मंजलपुर में भाजपा के सतेन्द्रभाई (सतीश) पटेल ने 30630 वोटों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की। उन्होंने कांग्रेस के भिखाभाई रबारी को हराया। तीनों सीटों पर 30 जुलाई को वोटिंग हुई थी।

पहली ही परीक्षा में फेल हुए खंडेलवाल

एमपी में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद हेमंत खंडेलवाल की पहली बड़ी चुनावी परीक्षा दतिया विधानसभा उपचुनाव मानी जा रही थी। इस चुनाव में भाजपा की हार के बाद संगठन की रणनीति, टिकट चयन और नेतृत्व पर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि सरकार के बहुमत पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा, लेकिन राजनीतिक संदेश को लेकर यह परिणाम अहम माना जा रहा है। मध्य प्रदेश में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बने हेमंत खंडेलवाल के कार्यकाल में दतिया विधानसभा उपचुनाव पहला बड़ा प्रत्यक्ष चुनाव था। इस चुनाव को संगठन और सरकार, दोनों के लिए प्रतिष्ठा का मुकाबला माना जा रहा था। मतगणना के रुझानों और परिणामों में कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह बढ़त बनाते हुए जीत की ओर बढ़े, जबकि भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी पीछे रह गए। दतिया में भाजपा ने पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटकर आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाया था। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह फैसला चुनाव का सबसे बड़ा दांव साबित हुआ। चुनाव प्रचार के दौरान संगठन ने नाराज कार्यकर्ताओं और समर्थकों को मनाने की कोशिश की थी।

महिला पहलवान यौन शोषण केस में बृजभूषण सिंह बरी

● बोले-होइहि सोइ जो राम रचि राखा,समर्थकों ने फूल बरसाए ● विनेश फोगाट बोलीं-मैंने उम्मीद नहीं छोड़ी, हाईकोर्ट जाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह को महिला पहलवानों से जुड़े यौन शोषण मामले में दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने बरी कर दिया। सोमवार को फैसले के वक्त पूर्व सांसद बृजभूषण और भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व सचिव विनोद तोमर कोर्ट में मौजूद रहे। फैसले के बाद बृजभूषण ने कहा- जज ने कहा कि बृजभूषण और विनोद तोमर आप लोगों को बाइज्जत बरी किया जाता है। मैंने पहले कहा था कि अगर कोई आरोप साबित हो जाएगा तो मैं फांसी पर लटक जाऊंगा। मेरे लिए खुशी का दिन है। होइहि सोइ जो राम रचि राखा। कोर्ट के फैसले के बाद पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया ने कहा- हमने उम्मीद नहीं छोड़ी है। हाईकोर्ट में फैसले को चुनौती देंगे।

यौन शोषण का यह मामला जनवरी 2023 में सामने आया था। विनेश फोगाट, साक्षी मलिक समेत कई पहलवानों ने बृजभूषण के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना दिया था।

- **मामले में 127 सुनवाई हुईं, 32 गवाहों के बयान दर्ज हुए-** 2 जुलाई, 2026 को दोनों पक्षों की दलीलें पूरी होने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। मामले में कुल 1133 दिनों में 127 सुनवाई हुईं। 32 गवाहों के बयान दर्ज किए गए। बृजभूषण 20 जुलाई, 2023 से नियमित जमानत पर थे। 10 मई, 2024 को अदालत ने दिल्ली पुलिस की चार्जशीट के आधार पर आरोप तय किए थे, जिसके बाद ट्रायल शुरू हुआ था। कोर्ट से बरी का मतलब है कि कोर्ट में अभियुक्त के खिलाफ आरोप साबित नहीं पाए, इसलिए उसे सजा नहीं दी गई। इसका यह मतलब नहीं होता कि वह दोषमुक्त हो गया है। पीड़ित महिला पहलवान इस मामले में हाईकोर्ट में अपील कर सकती हैं। इसके लिए 60 दिन के अंदर उन्हें हाईकोर्ट से विशेष अनुमति लेनी होती है। अनुमति मिलने पर वे याचिका दायर कर सकती हैं। सामान्य रूप से आवेदन और याचिका एकसाथ दायर कर दी जाती हैं।
- **फैसले के बाद बृजभूषण बोले- कभी खुद को दोषी नहीं माना-** फैसले के बाद बृजभूषण जब अपने आवास पहुंचे तो समर्थकों ने उन पर फूल बरसाए। मीडिया के सवालों पर उन्होंने कहा- मैंने कभी खुद को दोषी नहीं माना। हम जूनियर खिलाड़ियों के अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे थे। संघर्ष से हमेशा निखार ही आता है। इस केस से यह बात साबित हो गई है।

सावन के पहले सोमवार को मंदिरों में भक्तों का रेला

● हर हर महादेव के जयकारों से गूंज उठे देश के शिवालय ● हरिद्वार में पहले सावन सोमवार पर 1 करोड़ श्रद्धालु पहुंचे

नईदिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड के हरिद्वार में कांवड़ यात्रा शुरू होने के बाद से सावन के पहले सोमवार दोपहर 12 बजे तक करीब 1 करोड़ कांवड़िए पहुंच चुके थे। मध्य प्रदेश के उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर में अब तक 1.10 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। वहीं, झारखंड के देवघर के बैद्यनाथ मंदिर में भक्तों की 5 किमी लंबी लाइन लगी रही। उत्तर प्रदेश के काशी विश्वनाथ मंदिर में अब तक 2 लाख से ज्यादा भक्त दर्शन कर चुके हैं। कांवड़ियों और भक्तों की 3 किलोमीटर लंबी लाइन लगी है। जलाभिषेक के लिए भक्तों को केवल 1 सेकेंड का समय मिल रहा है। उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ में भीड़ रही।

अलवर में पांडवों का लाया शिवलिंग, इसे औरंगजेब भी नहीं तोड़ पाया

मान्यता है कि इस मंदिर के शिवलिंग की स्थापना पांडवों ने द्वापर युग में की थी। काशी से शिवलिंग लाकर इस मंदिर में स्थापित किया गया था। तभी से मंदिर में शिवलिंग की पूजा होती है। पांडवों के समय से ही मंदिर में अखंड ज्योत जलती है। सावन के पहले सोमवार को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटे। मंदिर को फूलों से भव्य रूप से सजाया गया था। मंदिर के दरवाजे खुलने के बाद श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक करने से पहले मंगला आरती में हिस्सा लिया। वाराणसी डिवीजन के डिवीजनल कमिश्नर और मंदिर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कांवड़ियों और श्रद्धालुओं पर फूलों की पंखुड़ियां बरसाईं।

पंजाब चुनाव से पहले बीजेपी ने कर दिया नई टीम का ऐलान

● कांग्रेस-आप और अकाली दल से आए नेताओं को अहम जिम्मेदारियां

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों को तेज करते हुए बीजेपी ने पनी नई प्रदेश संगठनात्मक टीम की घोषणा कर दी। प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने नई कार्यकारिणी का ऐलान किया। इस कार्यकारिणी में 12 उपाध्यक्ष, पांच महासचिव और 12 सचिव नियुक्त किए गए हैं। खास बात यह रही कि कांग्रेस, शिरोमणि अकाली दल और आम आदमी पार्टी छोड़कर हाल ही में बीजेपी में शामिल हुए कई नेताओं को संगठन में अहम जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। नई टीम में बनाए गए 12 प्रदेश उपाध्यक्षों में से 6 ऐसे नेता हैं जो पहले अन्य राजनीतिक दलों में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभा चुके हैं। इनमें कांग्रेस के पूर्व विधायक अश्वनी सेखरी, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व सचिव तेजिंदर सिंह बिट्टू, पूर्व सांसद सुशील रिंकू, कांग्रेस के पूर्व

पदाधिकारी गेज्जा राम वाल्मीकि, शिरोमणि अकाली दल के पूर्व नेता रवि करण सिंह काहलों और रंजीत सिंह गिल शामिल हैं। सुशील रिंकू 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए थे। इसके अलावा बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं को भी स्थान मिला है।

ईरान में भारत के अगले राजदूत होंगे विश्वेश नेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में चल रहे लगातार संकट के बीच विश्वेश नेगी को ईरान में भारत के अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। विश्वेश नेगी वर्तमान में विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव के रूप में सेवा दे रहे थे। विश्वेश नेगी 2002 बैच के आईएफएस अधिकारी हैं। यह नियुक्ति पश्चिम एशिया के साथ भारत के राजनयिक संबंधों को मजबूत करने पर सरकार के लगातार ध्यान को दर्शाती है; यह क्षेत्र रणनीतिक, आर्थिक और ऊर्जा के नजरिए से बहुत महत्वपूर्ण है। उनकी नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब पश्चिम एशिया में संकट की स्थिति बनी हुई है। इंडियन फॉरेन सर्विस 2002 बैच के सीनियर अधिकारी विश्वेश नेगी अपनी नई भूमिका में डिप्लोमैटिक और एडमिनिस्ट्रेटिव का लंबा अनुभव लेकर आए हैं। विदेश मंत्रालय में जॉइंट सेक्रेटरी के तौर पर, उन्होंने विदेश नीति से जुड़े अहम मामलों और द्विपक्षीय संबंधों को संभालने में कई बार अहम भूमिका निभाई है। विश्वेश नेगी 2022 में भारत सरकार के रक्षा विभाग में पदस्थ थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पश्चिम एशिया में फिर युद्ध का खतरा; क्या दुनिया एक और महाविनाश की ओर बढ़ रही है?

(लेखक- सौरभ वार्ष्णेय)

पश्चिम एशिया एक बार फिर ऐसे मोड़ पर खड़ा दिखाई दे रहा है, जहां एक छोटी-सी चिंगारी पूरे क्षेत्र को भीषण युद्ध की आग में झोंक सकती है। अमेरिका और ईरान के बीच लगातार बढ़ता तनाव केवल दो देशों के बीच का विवाद नहीं रह गया है, बल्कि यह वैश्विक शांति, ऊर्जा सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और विश्व अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। यदि दोनों देशों के बीच प्रत्यक्ष सैन्य संघर्ष शुरू होता है तो इसका प्रभाव केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया इसकी कीमत चुकाएगी।

हाल के दिनों में अमेरिका की ओर से दिए गए कड़े संकेत और ईरान की आक्रामक चेतावनियों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि दोनों पक्ष अपने-अपने रुख से पीछे हटने को तैयार नहीं दिख रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि यदि आवश्यक हुआ तो अमेरिका ईरान के ऊर्जा प्रतिष्ठानों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर कार्रवाई कर सकता है। वहीं ईरान ने भी स्पष्ट कर दिया है कि यदि उसके रणनीतिक ठिकानों पर हमला हुआ तो उसकी प्रतिक्रिया केवल अपने भूभाग तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डों और इजरायल को भी इसका सामना करना पड़ सकता है।

युद्ध की भाषा हमेशा विनाश की प्रस्तावना होती है। इतिहास बताता है कि जब राष्ट्र संवाद की बजाय सैन्य शक्ति पर भरोसा करने लगते हैं तो परिणाम केवल तबाही होता है। अमेरिका और ईरान के बीच वर्षों से सबसे बड़ा विवाद ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर रहा है। अमेरिका का आरोप है कि ईरान परमाणु हथियार विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, जबकि ईरान लगातार यह कहता रहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम केवल शांतिपूर्ण और ऊर्जा उत्पादन के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है।परमाणु कार्यक्रम पर अविश्वास ने दोनों देशों के संबंधों को लगातार खराब किया है। आर्थिक प्रतिबंध, तेल निर्यात पर रोक, वित्तीय प्रतिबंध और सैन्य दबाव ने स्थिति को और अधिक जटिल बना दिया है। अब यदि यह विवाद खुले युद्ध में बदलता है तो उसके परिणाम केवल सैन्य नहीं बल्कि राजनीतिक, आर्थिक और मानवीय भी होंगे।

आधुनिक युद्धों में केवल सैनिकों पर हमला नहीं किया जाता बल्कि विरोधी देश की आर्थिक रीढ़ को कमजोर करने का प्रयास किया जाता है। ऊर्जा प्रतिष्ठान किसी भी देश की अर्थव्यवस्था का आधार होते हैं। तेल रिफाइनरी, गैस संयंत्र, बिजलीघर और पाइपलाइन किसी राष्ट्र की जीवनरेखा हैं। यदि इन पर हमला होता है तो केवल ऊर्जा उत्पादन ही प्रभावित नहीं होता बल्कि उद्योग, परिवहन, स्वास्थ्य सेवाएं, संचार व्यवस्था और आम नागरिकों का जीवन भी संकट में पड़ जाता है।ईरान दुनिया के प्रमुख तेल उत्पादक देशों में शामिल है। ऐसे में उसके ऊर्जा ढांचे पर किसी भी प्रकार का हमला वैश्विक तेल बाजार को तुरंत प्रभावित कर सकता है।

दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा का सबसे संवेदनशील बिंदु होर्मुज जलडमरूमध्य माना जाता है। विश्व के समुद्री मार्ग से होने वाले तेल व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है।यदि युद्ध की स्थिति में यह मार्ग बाधित होता है तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आ सकता है। इसका सीधा असर भारत जैसे देशों पर पड़ेगा, जो अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करते हैं।पेट्रोल, डीजल, एलपीजी, विमान ईंधन और बिजली उत्पादन की लागत बढ़ने से महंगाई तेज होगी। परिवहन से लेकर खाद्य पदार्थों तक हर क्षेत्र प्रभावित होगा। भारत के पश्चिम एशिया के लगभग सभी देशों के साथ अच्छे संबंध हैं। लाखों भारतीय नागरिक खाड़ी देशों में कार्यरत हैं और भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से पूरा होता है।

भारत पहले भी पश्चिम एशिया के संकटों के दौरान अपने नागरिकों को सुरक्षित निकालने के लिए बड़े अभियान चला चुका है। इसलिए किसी भी नए संघर्ष की स्थिति में भारत को कूटनीतिक और मानवीय दोनों स्तरों पर तैयार रहना होगा। ईरान ने संकेत दिए हैं कि यदि उस पर हमला होता है तो वह केवल अपने क्षेत्र की रक्षा तक सीमित नहीं रहेगा। पश्चिम एशिया में अमेरिका के अनेक सैन्य ठिकाने मौजूद हैं। कतर, बहरीन, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात, इराक, जॉर्डन और अन्य क्षेत्रों में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति लंबे समय से बनी हुई है। यदि इन ठिकानों पर हमले होते हैं तो संघर्ष केवल अमेरिका और ईरान तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कई देश अनचाहे रूप से इसमें शामिल हो सकते हैं। यही किसी भी क्षेत्रीय संघर्ष को वैश्विक संकट में बदलने का सबसे बड़ा कारण बनता है।

इजरायल और ईरान के बीच लंबे समय से गहरा तनाव रहा है। दोनों देशों के बीच प्रत्यक्ष और परोक्ष टकराव समय-समय पर सामने आते रहे हैं। यदि अमेरिका किसी सैन्य कार्रवाई में शामिल होता है तो इजरायल की सुरक्षा स्वतः एक बड़ा मुद्दा बन जाएगी। दूसरी ओर ईरान पहले भी संकेत देता रहा है कि वह इजरायल को अपने प्रमुख प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखता है। ऐसी स्थिति में पूरा पश्चिम एशिया कई मोर्चों वाले युद्ध का मैदान बन सकता है।तनाव के बीच यह चर्चा भी तेज है कि रूस ईरान को विभिन्न प्रकार की तकनीकी या खुफिया सहायता उपलब्ध करा सकता है। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और संबंधित पक्षों की आधिकारिक प्रतिक्रियाएं भी सीमित रही हैं। फिर भी यदि बड़ी शक्तियां प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से किसी संघर्ष में शामिल होती हैं तो क्षेत्रीय युद्ध का दायरा और व्यापक हो सकता है।

आज की दुनिया पहले जैसी नहीं रही। किसी भी क्षेत्रीय युद्ध का प्रभाव वैश्विक राजनीति, व्यापार और सुरक्षा व्यवस्था पर पड़ता है। युद्ध कभी अचानक नहीं होता। उसके पहले वर्षों तक अविश्वास, आरोप-प्रत्यारोप, आर्थिक प्रतिबंध, सैन्य तैयारियां और असफल वार्ताएं चलती रहती हैं।दुर्भाग्य यह है कि आज वैश्विक कूटनीति पहले की तुलना में अधिक कमजोर दिखाई देती है। संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाएं लगातार अपील तो करती हैं, लेकिन महाशक्तियों के सामने उनकी प्रभावशीलता सीमित नजर आती है। यदि संवाद की प्रक्रिया मजबूत नहीं होगी तो सैन्य विकल्प हमेशा अधिक आकर्षक प्रतीत होने लगेंगे। युद्ध का निर्णय नेता लेते हैं लेकिन उसकी कीमत आम नागरिक चुकाते हैं।बम सैनिक अड्डों पर ही नहीं गिरते, वे अस्पतालों, स्कूलों, घरों और बाजारों को भी प्रभावित करते हैं। लाखों लोग विस्थापित होते हैं, बच्चों की शिक्षा रुक जाती है, स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा जाती हैं और वर्षों तक समाज अस्थिर रहता है।इराक, सीरिया, यमन और अफगानिस्तान इसके बड़े उदाहरण हैं, जहां युद्ध समाप्त होने के बाद भी सामान्य जीवन लौटने में वर्षों लग गए।

इतिहास का सबसे बड़ा सबक यही है कि सैन्य जीत हमेशा राजनीतिक समाधान नहीं बनती। अफगानिस्तान, इराक, लीबिया और सीरिया के उदाहरण बताते हैं कि युद्ध शुरू करना अपेक्षाकृत आसान होता है लेकिन शांति स्थापित करना बेहद कठिन।यदि उद्देश्य केवल सैन्य शक्ति का प्रदर्शन रह जाए और राजनीतिक समाधान पीछे छूट जाए तो संघर्ष वर्षों तक चलता रहता है।भारत परंपरागत रूप से रणनीतिक स्वायत्तता और संतुलित विदेश नीति का समर्थक रहा है।भारत के अमेरिका से भी मजबूत संबंध हैं और ईरान के साथ भी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक तथा ऊर्जा संबंध महत्वपूर्ण रहे हैं।

ऐसी स्थिति में भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी कि वह अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए शांति, संवाद और अंतरराष्ट्रीय कानून के पक्ष में प्रभावी भूमिका निभाए।संयुक्त राष्ट्र की स्थापना इसलिए हुई थी कि विश्व युद्ध जैसी त्रासदियां दोबा न हों। आज आवश्यकता है कि संयुक्त राष्ट्र, सुरक्ष परिषद, यूरोपीय संघ, अरब लीग और अन अंतरराष्ट्रीय मंच सक्रिय होकर दोनों पक्षों के बी तनाव कम करने की दिशा में ठोस पहल करें। य कूटनीति विफल होती रही तो दुनिया बार-बार यु के मुहाने पर खड़ी दिखाई देगी।

अमेरिका और ईरान दोनों शक्तिशाली राष्ट्र है दोनों के पास सैन्य क्षमता है, लेकिन इससे अधिक महत्वपूर्ण उनकी राजनीतिक जिम्मेदारी है विश्व नेतृत्व का अर्थ केवल शक्ति प्रदर्शन नहीं बलि संयम भी होता है।यदि दोनों देश वार्ता की मेज प लौटते हैं तो न केवल पश्चिम एशिया बल्कि पू दुनिया राहत की सांस लेगी।पश्चिम एशिया में बढ़ तनाव केवल दो देशों का विवाद नहीं है; यह पू मानवता की चिंता का विषय है। ऊर्जा संकट, वैश्वि व्यापार, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता औ करोड़ों लोगों का भविष्य इस संघर्ष से प्रभावित सकता है। किसी भी सैन्य कार्रवाई से पहले यह या रखना होगा कि युद्ध का अंत चाहे जिस रूप में ह उसकी शुरुआत हमेशा मानवता की हार से होती है दुनिया पहले ही अनेक संकटों से जूझ रही है। ऐ समय में एक और व्यापक युद्ध किसी के हित में न होगा। आज आवश्यकता शक्ति प्रदर्शन की नहीं बल्कि धैर्य, संवाद, विश्वास और कूटनीतिक समाधा की है। यदि विश्व समुदाय समय रहते सक्रिय न हुआ तो पश्चिम एशिया की यह आग सीमाओं को पा कर वैश्विक संकट का रूप ले सकती है। इतिहा गवाह है कि युद्ध जीतने वाले भी अंततः शांति व तलाश में ही लौटते हैं। इसलिए बुद्धिमानी इसी में कि शांति का रास्ता युद्ध शुरू होने से पहले ही खो लिया जाए।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीति विचारक है।)

संपादकीय

अब हवाई 'नाका'

भारत के संप्रभु राष्ट्र बनने के बाद से ही पाकिस्तान देश व भारतीय समाज को क्षति पहुंचाने के तमाम षड्यंत्र रचता और उन्हें अंजाम देने की हर कोशिश करता रहा है। शक्तिशाली सेना का मुकाबला न कर पाने पर वह छद्म युद्ध, आतंकवाद व नशे के जरिये भारत को चोट पहुंचाने की साजिश करता है। जब से पाक से लगती सीमा पर कड़ी सुरक्षा बढ़ी और पाक के संस्थागत सहयोग से सक्रिय तस्करों की आवाजाही बाधित हुई, उसने तकनीक व ड्रोन की मदद से नशे, नकली करेंसी व हथियार भेजने की साजिश को अंजाम देने शुरू किया। ड्रोन के जरिये लगातार नशे-हथियारों की तस्करी से पैदा खतरे के मद्देनजर, पाक सीमा से ड्रग्स व हथियार लाने वाले ड्रोनों को रोकने के लिये पंजाब में नई पहल हुई है। हवाई चेक प्वाइंट या 'हवाई नाके, लगाने का यह फैसला,सुरक्षा के बदलते खतरे से निपटने का एक नया और असरदार तरीका साबित हो सकता है। निस्संदेह, तस्करी करने वाले अपराधी गिरोहों ने, कानून लागू करने वाली एजेंसियों से ज्यादा तेजी से टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया है। पाक द्वारा संस्थागत रूप से पोषित तस्करों की जगह जीपीएस-निर्देशित ड्रोनों का इस्तेमाल शुरू किया गया। ये ड्रोन भारतीय सीमा में निर्धारित जगहों में बहुत भीतर तक हेरोइन, हथियार और गोला-बारूद गिराने में सक्षम हैं। आसमान में उड़ने वाले दुश्मन के खिलाफ सामान्य चेक प्वाइंट कुछ नहीं कर पाते। यह सुरक्षा एजेंसियों व पुलिस के लिये बड़ी चुनौती है। यही वजह है कि आज पंजाब ड्रोन के जरिये होने वाली नशीले पदार्थों की तस्करी का मुख्य केंद्र बन गया है। देश में ज्यादातर ड्रोन तस्करी की घटनाएं पाक से लगते पंजाब के सीमावर्ती जिलों में हुई हैं। दरअसल, ड्रग्स का कारोबार अब सिर्फ कानून-व्यवस्था की समस्या मात्र नहीं रह गया। आज यह सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल है। जिसके प्रकोप से असंख्य परिवार बर्बाद हो गए हैं। यह एक बड़ी हकीकत है कि नशे का कारोबार राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये भी एक बड़ा खतरा है। वास्तव में नशा तस्कर इन्हीं रास्तों का प्रयोग राष्ट्रविरोधी ताकतों को हथियार पहुंचाने और आतंकी नेटवर्क को फंडिग के लिये करते हैं। दरअसल, हवाई नाके का विचार, सिर्फ आपराधिक घटना के बाद होने वाली पुलिस कार्रवाई से हटकर, अपराध के होने से पहले होने वाली पुलिस कार्रवाई होगी। निश्चय ही यह स्वागत योग्य बदलाव है। अब सुरक्षा एजेंसियों व पुलिस की कोशिश होगी कि ड्रग्स की खेप जमीन पर पहुंचाने के बाद उसे बरामद करने के प्रयास करने की बजाय, पहले ही ड्रोनों की निगरानी की जाए। जिससे समय रहते ड्रोनों का पता लगाकर, उनके उड़ने के रास्ते को ट्रैक किया जा सके। साथ ही सामान गिराने की जगहों की पहचान के बाद नशीले पदार्थों व हथियारों की आपूर्ति करने के लिये इंतजार कर रहे स्थानीय लोगों को पकड़ा जा सके। सही मायने में खुफिया जानकारी,एंटी-ड्रोन सिस्टम तथा पंजाब पुलिस, बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स व केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल के साथ यह रणनीति तस्करों पर शिकंजा कसने में मददगार साबित हो सकती है। यह भी हकीकत है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तस्करी करने वाले गिरोह अपना नेटवर्क समय के साथ नई तकनीकों के जरिये बदलते रहते हैं। जिसके लिये वे बड़े ड्रोन, एन्क्रिप्टेड कम्युनिकेशन और लगातार बदलती रणनीतियों का इस्तेमाल करते हैं। इसलिए नई तकनीक के साथ-साथ लगातार खुफिया जानकारी जुटाने तथा तस्करी करने वाले गिरोहों को खत्म करने के लिये निरंतर मजबूत फाइनेंशियल जांच जरूरी है।

भारत के GenZ ने कॉमनवेल्थ गेम्स में बढ़ाया देश का गौरव

(लेखक - विश्वास कैलाश सारंग)

जब युवा संकल्प लेते हैं तो इतिहास बनता है। जब तिरंगा सबसे ऊँचा लहराता है, तो पूरा राष्ट्र गर्व से भर उठता है। भारत का GenZ अब केवल संभावनाओं का प्रतीक नहीं बल्कि उपलब्धियों का पर्याय बन चुका है।

ग्लासगो (स्कॉटलैंड) में 23 जुलाई से 2 अगस्त 2026 तक आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 भारत के लिए केवल पदकों का महोत्सव नहीं बल्कि नई पीढ़ी के आत्मविश्वास, अनुशासन और वैश्विक खेल नेतृत्व का प्रतीक बनकर सामने आया है। 122 भारतीय खिलाड़ियों ने आठ सामान्य खेलों और पाँच पैरा-स्पोर्ट्स में भाग लेते हुए 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य सहित कुल 39 पदक जीतकर विश्व पटल पर सम्पूर्ण भारतवर्ष का मान बढ़ाया है। तो वहीं भारत के खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में कई बार डबल पोडियम का भी गौरव हासिल किया है। साथ हीं मध्यप्रदेश अकादमी की जूडो खिलाड़ी यामिनी मौर्य और वेटलिफ्टर अजय बाबू दोनों ने रजत पदक जीतकर वैश्विक मंच पर देश सहित प्रदेश का नाम रोशन किया है।

इस बार के कॉमनवेल्थ गेम्स कई मायनों में चुनौतीपूर्ण थे। भारत के परंपरागत पदक दिलाने वाले खेल रेसलिंग, बैडमिंटन, हॉकी, शूटिंग और टेबल टेनिस खेल का हिस्सा नहीं थे। इसके बावजूद भारत के GenZ खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से यह सिद्ध कर दिया कि अब भारत की खेल शक्ति कुछ चुनिंदा खेलों तक सीमित नहीं रही है।

भारत के GenZ खिलाड़ी अब हर उस मंच पर अपनी क्षमता साबित कर रहे हैं जहाँ अवसर उपलब्ध हैं। वे अपने अदम्य साहस, अथक परिश्रम और अद्भुत प्रतिभा से पूरी दुनिया को यह संदेश दे रहे हैं कि भारत अब केवल भाग लेने वाला देश नहीं बल्कि खेल महाशक्ति बनने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ने वाला देश है।

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में खिलाड़ियों के सम्मान, खेल संस्कृति के विस्तार और आधुनिक सुविधाओं के विकास ने भारत के युवा खिलाड़ियों को विश्व स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का नया आत्मविश्वास दिया है। यह उपलब्धियाँ खिलाड़ियों की अथक प्रयासों, अटूट लगन और समर्पण के साथ भारत में खेलों के प्रति बढ़ती जागरूकता, आधुनिक खेल अधोसंरचना, प्रतिभा संवर्धन और युवाओं को मिल रहे व्यापक अवसरों का प्रमाण है।

वहीं मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के नेतृत्व में हम लगातार खेल, खिलाड़ी और खेल मैदान के उन्नयन व विस्तार के लिए प्रयास कर रहे हैं। खिलाड़ी को उत्कृष्ट खिलाड़ी बनाना, युवाओं को खेल के प्रति आकर्षित करना और आधुनिक अधोसंरचना का निर्माण करना हमारा लक्ष्य है। हम प्रदेश की सभी विधानसभा में एक खेल परिसर का निर्माण कर रहे हैं। जिससे प्रदेश में खेल संस्कृति को अभूतपूर्व विस्तार मिल सके।

कॉमनवेल्थ गेम्स में इस बार भारतीय मुक्केबाज़ों का स्वर्णिम प्रदर्शन इस उपलब्धि का सबसे बड़ा आधार बना। भारत ने बॉक्सिंग में रिकॉर्ड 10 पदक, जिनमें 7 स्वर्ण शामिल हैं, जीतकर नया इतिहास रच दिया। यह किसी भी देश द्वारा एक ही कॉमनवेल्थ गेम्स में बॉक्सिंग में जीते गए सर्वाधिक स्वर्ण पदकों का रिकॉर्ड है। ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन ने रजत पदक जीता, जबकि साक्षी चौधरी ने शानदार प्रदर्शन से भारतीय मुक्केबाज़ी का भविष्य और भी उज्ज्वल कर दिया।

मीराबाई चानू ने अपना तीसरा लगातार कॉमनवेल्थ स्वर्ण जीतकर खिताबी हैट्रिक पूरी की, वहीं ऋषिकांत सिंह पुरुषों के 60 किलोग्राम वर्ग में रजत जीतकर एबल-बॉडी वर्ग में पोडियम तक पहुँचने वाले पहले भारतीय बने। जूडो में अस्मिता डे इस खेल में भारत की पहली कॉमनवेल्थ चैंपियन बनीं और हर्ष सिंह ने भी पदक जीतकर इतिहास रचा।

एथलेटिक्स में भारत के युवा सितारों ने नई ऊँचाइयाँ छुईं। गुलवीर सिंह एक ही कॉमनवेल्थ गेम्स में दो व्यक्तिगत पदक जीतने वाले पह भारतीय ट्रैक एवं फील्ड एथलीट बने। तेजस्विन शंकर डेकाथलॉन पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने, जबकि चोट के कारण बर्मिंघ 2022 में हिस्सा न ले पाने वाले नीरज चोपड़ा ने पुरुषों की जैवलि थ्रो में सिल्वर मेडल जीतकर पोडियम पर वापसी की और एक ब फिर खेल प्रेमियों का दिल जीत लिया।

भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स में अपना अब तक का सबसे अच पैरा-स्पोर्ट्स प्रदर्शन किया और सात मेडल जीते, जिसमें तीन गोल् दो सिल्वर और दो ब्रॉन्ज शामिल थे। इनमें से छह मेडल पैरा एथलेटिक्स में मिले, जिससे कॉमनवेल्थ गेम्स में पैरा-एथलेटिक पोडियम पर भारतीय खिलाड़ियों के पहुंचने का 20 साल का इंतज खत्म किया और कई स्पर्धाओं में डबल पोडियम हासिल कर विश्व मं पर अपनी असाधारण क्षमता का परिचय दिया।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के बाद इस प्रतियोगिता में भारत के कु मेडल की संख्या 19 बार की भागीदारी में 603 हो गई है, जिस भारत ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और कनाडा के बाद गेम्स के इतिहास चौथा सबसे सफल देश बन गया है।

ये हैं भारत के असली GenZ जिन्होंने वैश्विक मंच पर देश का गौर बढ़ाया है। आज भारत का GenZ केवल भविष्य नहीं बल्कि वर्तमान व सबसे बड़ी ताकत बन चुका है। यह पीढ़ी कठिन परिश्रम, अनुशास तकनीक और अटूट राष्ट्रभक्ति के साथ हर वैश्विक मंच पर तिरंगे व गौरव बढ़ा रही है। प्रत्येक खिलाड़ी, कोच और सपोर्ट स्टाफ़ व समर्पण करोड़ों भारतीयों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

अब दुनिया की निगाहें कॉमनवेल्थ गेम्स-2030 पर हैं, जिसव मेज़बानी भारत करेगा। शताब्दी संस्करण के इन खेलों का आयोज भारत के लिए केवल एक वैश्विक खेल आयोजन नहीं बल्कि अप सांस्कृतिक विरासत, संगठन क्षमता, आधुनिक अधोसंरचना और खे शक्ति को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का ऐतिहासिक अवसर होग

(खेल और युवा कल्याण मंत्री, म.प्र. शासन))

मृत्यु के उपरांत शरीर नष्ट हो जाता है

अष्टावप्र गीता में आचार्य अष्टावक्र कहते हैं कि मनुष्य शरीर मात्र शरीर नहीं है। वह चैतन्य आत्मा है। आत्मा ही इस शरीर की पोषक है। जैसे ही आत्मा इस शरीर से बाहर निकलती है, शरीर विकृत होने लगता है। बुद्धि, कर्म, भोग, अहंकार, लोभ, मोह शरीर और मन के धर्म हैं, आत्मा के नहीं। आत्मज्ञान के अभाव में ऐसी भ्रांति हुआ करती है कि मैं एक शरीर हूं, आत्मा नहीं। यही तो अज्ञान है। पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश इन पांच तत्वों से मिलकर शरीर बनता है, जो भौतिक, अनित्य और नष्ट होने वाला है।

मृत्यु के उपरांत शरीर नष्ट हो जाता है, पर हम शरीर के नष्ट हो जाने के बाद भी अगली यात्र पर निकल जाते हैं। जैसे पुराने वस्त्रों को छोड़कर नया वस्त्र धारण कर लेते हैं। यह शरीर हमारा वस्त्र मात्र है, जो भौतिक पदार्थों से मिलकर बना है। हम सब घर नहीं, बल्कि इसमें रहने वाले मालिक हैं। हम बार-बार यह कहते हैं कि हम शरीर नहीं आत्मा हैं, जो चैतन्य है। आत्मा का कोई वर्ण नहीं होता, वह ब्राण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र नहीं होती। वह तो चैतन्य-शक्ति मात्र है, जो समस्त प्रकार के जीवों में समान रूप से व्याप्त है। यह आत्मा न किसी वर्ण वाली है और न आश्रम वाली है। आत्मा की न कोई जाति होती है और न ही कोई धर्म होता है। ये चार आश्रम-ब्राचर्य, गृहस् वानप्रस्थ और संन्यास वाली भी नहीं है। आत्मा न कर्ता है और न भोक्ता है और न भोग्य विषय है। इन तीनों से परे असंग, निराकार और साक्षी मात्र है। 1कुछ लोग कह हैं कि यह घोर कलयुग है, यह पंचम काल है। इसमें तो मुक्ति हो ही नहीं सकती। इ संदर्भ में आचार्य अष्टावप्र कहते हैं कि तुम अपने को चैतन्य में स्थिर कर लो तो अ मुक्ति को प्राप्त हो सकते हो। जैसे दीपक जलते ही अंधेरा गायब हो जाता है, उसी तर क्या आत्मज्ञान के प्रकाश से अज्ञान रूपी अंधकार गायब नहीं हो सकता। अज्ञान मिटते ही जीव की सभी भ्रांतियां मिट जाती हैं। आत्मा चैतन्य है, मुक्ति है, सर्वत्र व्याप है, वह किसी बंधन में बंधी नहीं है। आत्मा का कोई रूप नहीं है, वह निराकार है। उ निराकार का रूप सृष्टि है। आकार बनते हैं, बिगड़ते हैं, किंतु मूल तत्व वही रहता है जैसे सोने से विभिन्न आभूषण बनते हैं, बिगड़ते हैं, किंतु मूल तत्व सोना वही रहता है इस तरह से हम कह सकते हैं, आत्मा ही सत्य है और आत्मा ही पुरातन है, आत्मा सनातन है।

विचार मंथन

सदन के संचालन में अध्यक्ष की भूमिका? लोकतंत्र की कसौटी पर संसद

(लेखक- सनत जैन)

भारतीय संसद केवल कानून बनाने की संस्था नहीं है, बल्कि लोकतंत्र का वह मंच है जहां सरकार जनता के प्रति जवाबदेह बनती है, विपक्ष सरकार से प्रश्न पूछता है और देश के विभिन्न क्षेत्रों की समस्याएं राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनती हैं। ऐसे में संसद के संचालन में लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। संसदीय व्यवस्था में यह पद केवल कार्यवाही संचालित करने का नहीं, बल्कि सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में लोकतांत्रिक संतुलन बनाए रखने का दायित्व भी है। यही कारण है कि अध्यक्ष से निष्पक्षता, धैर्य और संसदीय परंपराओं के संरक्षण की अपेक्षा की जाती है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के सभी सांसदों के लिए अध्यक्ष एक पिता की भूमिका में होते हैं। हाल के वर्षों में संसद के कामकाज को ... है? क्या सांसद अपने निर्वाचन क्षेत्रों की समस्याएं प्रभावी ढंग से उठा पा रहे हैं? क्या विधेयकों पर पर्याप्त चर्चा हो रही है? संसद के सत्र इतने छोटे क्यों होते जा रहे हैं? प्रश्नकाल, शून्यकाल और अन्य संसदीय प्रक्रियाएं प्रभावित क्यों हो रही हैं? इन प्रश्नों के उत्तर लोकतंत्र की गुणवत्ता तय करते हैं।

सरकार का तर्क है, विपक्ष बार-बार हंगामा करता है। सदन की कार्यवाही बाधित करता है। जिससे महत्वपूर्ण विधायी कार्य प्रभावित होते हैं। दूसरी ओर विपक्ष का आरोप है कि सरकार महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा से बचती है, स्थगन प्रस्ताव और काम रोको प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाते हैं। विधेयकों को जिस तरह से पेश किया जाना चाहिए और उन पर चर्चा करनी चाहिए वह न होकर पर्याप्त बहस के बिना विधेयक पारित कराया जाता है। दोनों पक्ष अपने-अपने तर्क देते हैं, ऐसे समय में अध्यक्ष की भूमिका निर्णायक करना भी है। भारतीय संसदीय इतिहास में अनेक अध्यक्ष ऐसे रहे हैं, जिन्होंने सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच विश्वास का वातावरण बनाया। जब भी सदन में गतिरोध होता था, वे दोनों पक्षों के नेताओं से चर्चा कर सहमति का रास्ता निकालने का प्रयास करते थे। इससे संसद की कार्यवाही भी चलती थी और लोकतांत्रिक संवाद भी बना रहता था। आज संवाद की यह परंपरा कमजोर हुई है। यदि यह धारणा मजबूत होती है कि आसंदी किसी एक पक्ष के अधिक निकट है। संसद की निष्पक्षता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। चाहे यह धारणा सही हो या गलत, लोकतंत्र में संस्थाओं पर जनता का विश्वास बनाए रखना सबसे बड़ी आवश्यकता है। एक अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न संसद के घटते कार्य दिवसों का है। स्वतंत्र भारत के शुरुआती दशकों में संसद की बैठकें अपेक्षाकृत अधिक दिनों तक चलती थीं। अब कई सत्र सीमित अवधि के होते हैं। इससे सांसदों के प्रश्नों, एक तथ्य है, संसद का सत्र बुलाने और उसकी अवधि तय करने का संवैधानिक अधिकार सरकार की सलाह पर कार्यपालिका के माध्यम से संचालित होता है, इसलिए अध्यक्ष इस निर्णय मे अंतिम निर्धारक नहीं होते हैं। यह अपेक्षा की जाती है। अध्यक्ष महोदय और सरकार जब सदन के सत्र का समय निर्धारित करते हैं तब उसमें सदन में होने वाले कामकाज पर भी विचार होना चाहिए। ताकि उपलब्ध समय का सर्वोत्तम उपयोग हो। सभी दलों को पर्याप्त अवसर मिले।

विधेयकों पर विस्तृत चर्चा और उन्हें संसदीय समितियों के पास भेजने की परंपरा लोकतंत्र की गुणवत्ता का महत्वपूर्ण आधार है। समितियां, विशेषज्ञों की राय, हितधारकों के सुझाव और विधेयक के व्यावहारिक पक्षों का परीक्षण करती हैं। अधिक से अधिक विधेयक इस प्रक्रिया से गुजरें तो कानून अधिक प्रभावी और व्यापक सहमति प्रश्नों का उत्तर देने और चर्चा से बचने की कोशिश करता है। सदस्यों को इसके लिए अध्यक्ष के संरक्षण की जरूरत होती है। विपक्ष का दायित्व है कि विरोध लोकतांत्रिक मर्यादाओं के भीतर हो। सदन की कार्यवाही संचालित करने में वह अपना योगदान दें। लेकिन इसमें मुख्य भूमिका सरकार की होती है क्योंकि उसके पास बहुमत होता है। लगातार हंगामा और लगातार जल्दबाजी, दोनों ही लोकतंत्र के लिए समान रूप से हानिकारक हैं। संसद की शक्ति केवल बहुमत में नहीं, बल्कि विचार-विमर्श में निहित है। अध्यक्ष की निष्पक्षता, सरकार की जवाबदेही, विपक्ष की सक्रियता और सांसदों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से चारों स्तंभ मजबूत होंगे। तभी संसद संविधान की भावना के अनुरूप कार्य कर सकेगी। लोकतंत्र की सफलता इस बात से नहीं मापी जाती, कितने कानून बने, बल्कि इस बात से मापी जाती है। वह कितने कारगर हैं। गंभीर चर्चा, व्यापक

ऑनलाइन धोखाधड़ी का मामला, एसबीआई को 1.64 लाख लौटाने का आदेश

चंडीगढ।

पंजाब के एक उपभोक्ता आयोग ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को एक ग्राहक के खाते से हुए अनधिकृत ऑनलाइन लेनदेन के 1.64 लाख रुपये वापस करने का आदेश दिया है। ग्राहक ने तुरंत धोखाधड़ी की जानकारी बैंक शाखा, एसबीआई हेल्पलाइन, नेशनल साइबर क्राइम पोर्टल और पुलिस को दी थी, लेकिन बैंक ने राशि वापस नहीं की। मामला उपभोक्ता आयोग पहुंचने पर, कमीशन ने बार-बार अनुरोध के बावजूद मामले को हल न करने को सेवा में कमी माना। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि उसने कभी अपनी कोई गोपनीय जानकारी साझा नहीं की। बैंक ने ग्राहक की लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि लेनदेन उसके यूजरनेम, पासवर्ड और ओटीपी के बिना संभव नहीं था। मगर, आयोग ने पाया कि एसबीआई ग्राहक की लापरवाही साबित करने के लिए कोई ठोस तकनीकी साक्ष्य (जैसे सर्वर लॉग या फोरेंसिक रिपोर्ट) पेश नहीं कर सका। भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों का हवाला देते हुए, आयोग ने स्पष्ट किया कि यदि ग्राहक अनधिकृत लेनदेन की समय पर सूचना देता है, तो ग्राहक की लापरवाही साबित करने की जिम्मेदारी बैंक की होती है।

वन मोबिक्विक सिस्टम्स ने पहली तिमाही में दर्ज किया 7.6 करोड़ का लाभ

नई दिल्ली ।

वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वन मोबिक्विक सिस्टम्स ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में 7.6 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में कंपनी को 419.2 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में परिचालन आय 3.7 प्रतिशत बढ़कर 281.48 करोड़ रुपये हो गई जो एक वर्ष पहले की समान अवधि में 271.36 करोड़ रुपये थी। तिमाही आधार पर कंपनी का लाभ 73.7 प्रतिशत बढ़ा जबकि राजस्व 2.5 प्रतिशत घटा। मोबिक्विक के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के नतीजे इस बात की पुष्टि करते हैं कि लाभप्रदता हमारे कारोबारी मॉडल का अभिन्न हिस्सा है। लगातार तीन तिमाहियों

सेबी के प्रतिबंध से जी एंटरटेनमेंट के शेयर 13 फीसदी लुढ़के

मानद चेयरमैन सुभाष चंद्रा व एमडी पुनीत गोयनका एक साल के लिए प्रतिबंधित

नई दिल्ली ।

जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड (जेडईईएल) के शेयरों में सोमवार को 13 प्रतिशत तक की भारी गिरावट दर्ज की गई। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा कंपनी और उसके शीर्ष अधिकारियों पर प्रतिभूति बाजार में प्रतिबंध लगाने के बाद यह गिरावट आई। सेबी ने हैदराबाद स्थित कंपनी की जमीन को एस्सेल समूह के ऋणों के लिए अनधिकृत रूप से गिरवी रखने के मामले में यह कार्रवाई की है। नियामक ने जेडईईएल पर दो महीने, जबकि मानद चेयरमैन सुभाष चंद्रा और प्रबंध निदेशक व सीईओ पुनीत गोयनका पर एक साल के लिए प्रतिभूति बाजार में कारोबार करने से प्रतिबंधित कर दिया है। इस प्रतिबंध की खबर के बाद सोमवार को बीएसई में कंपनी का शेयर 13 प्रतिशत टूटकर 100.40 रुपये पर आ गया, वहीं एनएसई पर भी इसमें 12.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 100.37 रुपये पर कारोबार हुआ। सेबी ने अपने 150 पृष्ठ के अंतिम आदेश में यह भी कहा कि इन पर कुल 1.48 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। यह कार्रवाई कंपनी के भीतर कॉर्पोरेट गवर्नेंस में कथित अनियमितताओं को लेकर हुई है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

संसेक्स 544, निफ्टी 390 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी बढ़ने से आई है। इसके अलावा पश्चिम एशिया में तनाव कम होने की उम्मीद और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भी बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 544.39 अंक बढ़कर 78,639.03 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 390.70 अंक की तेजी के साथ ही 24,774.30 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में सबसे ज्यादा उछाल इंडिगो, इन्फोसिस और टीसीएस के शेयरों में रहा। वहीं व्यापक बाज़ार में, निफ्ट मिडकैप और स्मॉलकैप शेयर भी तेजी के साथ बंद हुए। क्षेत्रवार देखें तो निफ्टी आईटी, निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी पीएसयू बैंक के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी देखी गई, जबकि निफ्टी मीडिया के शेयर गिरे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि ईरान के साथ

बातचीत सोमवार को शुरू होगी। इससे भी कच्चे तेल की कीमतें गिरीं है जिससे भी बाजार में उत्साह का माहौल है। वहीं इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 586.57 अंकों की बढ़त के साथ 78,681.21 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी भी 161.40 अंक फीसदी चढ़कर 24,545.00 पर कारोबार कर रहा था।

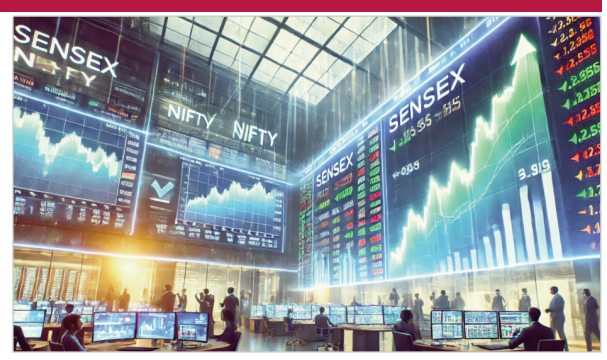

रुपया बढ़त के साथ बंद हुआ

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 15 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.28 पर बंद हुआ। रुपया आज सुबह पहले कारोबारी` दिन शुरुआती कारोबार में 31 पैसे की मजबूती के साथ 95.12 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान पर हमले टालने के फैसले के बाद डॉलर के कमजोर होने से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के निवेश, देश के विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के समर्थन से भी स्थानीय मुद्रा को मजबूती मिली। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 95.15 पर खुला। बाद में 95.12 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 31 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में बढ़त में रहा और सात पैसे मजबूत होकर 95.43 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 प्रतिशत टूटकर 99.74 पर रहा।

वेदांत का 20,000 करोड़ कर्ज घटाने और 10 अरब डॉलर एबिटा का लक्ष्य

जून तिमाही के रिकॉर्ड प्रदर्शन के बाद शीर्ष नेतृत्व का बढ़ा आत्मविश्वास

नई दिल्ली।

धातु और खनन क्षेत्र की दिग्गज वेदांत समूह ने वित्त वर्ष 2026-27 तक 10 अरब डॉलर एबिटा (ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की कमाई) हासिल करने और चालू वित्त वर्ष में 20,000 करोड़ रुपये से अधिक कर्ज घटाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। कंपनी के शीर्ष नेतृत्व ने बिज़नेस स्टैंडर्ड को बताया कि जून तिमाही के रिकॉर्ड प्रदर्शन के बाद यह अनुमान निरंतर वृद्धि के प्रति उसके बढ़ते आत्मविश्वास को दर्शाता है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के अनुसार ऋण घटाने की प्रक्रिया तेज हुई है; जून तिमाही में वेदांत रिसोर्सेज लिमिटेड (वीआरएल) ने 1.1 अरब डॉलर का ऋण कम किया। उधारी के पुनर्वित्तपोषण से फंडिंग लागत में 280 आधार अंकों की कमी आई, जिससे सालाना ब्याज पर 1,000 करोड़ रुपए से अधिक की बचत होगी। यह प्रदर्शन उच्च उत्पादन, कम परिचालन लागत और मजबूत ब्रेंट क्रूड व एलएमई कीमतों जैसी अनुकूल व्यापक आर्थिक परिस्थितियों का परिणाम है।

एचडीएफसी बैंक ने महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए लॉन्च किए दो नए सेविंग्स अकाउंट

मैक्स फॉर हर और मैक्स फॉर सीनियर्स में साइबर कवर, हेल्थ बेनिफिट्स और प्रीमियम बैंकिंग सुविधाएं

मुंबई।

एचडीएफसी बैंक ने महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए दो नए सेविंग्स अकाउंट वेरिएंट मैक्स फॉर हर और मैक्स फॉर सीनियर्स लॉन्च किए हैं। बैंक ने इन्हें अपने सेविंग्स मैक्स अकाउंट पोर्टफोलियो के तहत पेश किया है। दोनों अकाउंट्स में साइबर सुरक्षा, बीमा, हेल्थ और लाइफस्टाइल से जुड़े विशेष लाभ दिए गए हैं।

मैक्स फॉर सीनियर्स में 25 हजार रुपये तक का साइबर इंश्योरेंस, एफडी पर 0.5 प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज, ऑटो स्वीप सुविधा, डोरस्टेप बैंकिंग, एयरपोर्ट लाउंज एक्सेस, हेल्थ चेकअप, लाइफस्टाइल वाउचर और डेबिट कार्ड पर 3.19 करोड़ रुपये तक का व्यक्तिगत दुर्घटना मृत्यु कवर मिलेगा। वहीं मैक्स फॉर हर में ऑटो स्वीप सुविधा, एयरपोर्ट लाउंज एक्सेस, 10 लाख रुपये तक का दुर्घटना बीमा, लॉकर शुल्क में 50 प्रतिशत तक की छूट तथा डेबिट कार्ड पर 3.19 करोड़ रुपये तक का व्यक्तिगत दुर्घटना मृत्यु कवर शामिल है।

बैंक के ग्रुप हेड आशीष पार्थसारथी ने कहा कि बदलती जीवनशैली और ग्राहकों की जरूरतों को देखते हुए बैंक विशेष ग्राहक वर्गों के लिए अनुकूलित बैंकिंग समाधान विकसित कर रहा है। नए उत्पाद सुरक्षा, सुविधा और दीर्घकालिक वित्तीय संरक्षण को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं।

पीआईबी के अनुसार, वर्ष 2036 तक देश में वरिष्ठ नागरिकों की संख्या 23 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। वहीं कुल बैंक खातों में करीब 39.2 प्रतिशत महिलाओं के नाम हैं और जमा राशि में उनकी हिस्सेदारी 39.7 प्रतिशत है। इन्हीं बदलते रुझानों को देखते हुए बैंक ने दोनों नए अकाउंट पेश किए हैं।

कॉफी मशीन्स ने सेडना होरेका से जुटाए 50 करोड़, विस्तार की तैयारी

- उत्पाद पोर्टफोलियो, विनिर्माण और सेवा ढांचे के विस्तार पर होगा खर्च

नई दिल्ली।

कॉफी उपकरण और सेवा प्रदाता कंपनी कॉपी मशीन्स ने अपने इक्विटी दौर में बिजनेस-टु-बिजनेस होरेका (होटल, रेस्तरां और कैफे/कैटरिंग) समाधान प्रदाता सेडना होरेका से 50 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाई है। यह कॉपी मशीन्स के लिए बाहरी निवेशकों से जुटाई गई पहली फंडिंग है, जो अब तक प्रवर्तकों के निवेश पर निर्भर थी।

कंपनी इस रकम का उपयोग अपने उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार करने, विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करने और अपनी प्रौद्योगिकी, वेयरहाउसिंग तथा सेवा के ढांचे में सुधार करने की योजना बना रही है। कॉपी मशीन्स के ग्राहकों में बड़ी कैफे श्रृंखलाएं, होटल, खुदरा विक्रेता और कॉफी वेंडिंग कारोबार शामिल हैं। उसके कुछ प्रमुख ग्राहकों में स्टारबक्स, ब्लू टोकाई, मैकडॉनल्ड्स, अराकु, बर्गर किंग और बूजी के साथ-साथ आईटीसी होटल्स तथा ओबेरॉय जैसे अतिथि-सत्कार क्षेत्र के बड़े ब्रांड शामिल हैं। कापी मशीन्स के एक अे धिकारी ने बताया कि, 'हमने ऐसे समय में अंतरराष्ट्रीय कॉफी उपकरणों के आयातक के रूप में शुरुआत की थी, जब भारतीय कॉफी एक व्यापारिक फसल से उपभोक्ता उत्पाद में बदल रही थी और कैफे संस्कृति उभर रही थी।

हमने वैश्विक स्तर पर अग्रणी कंपनियों के साथ साझेदारी की ताकि भारत में उच्च गुणवत्ता वाले कॉफी उपकरण ला सकें, उन्हें स्थापित कर सकें और बिक्री बाद उत्कृष्ट सेवा प्रदान कर सकें। यह निवेश कंपनी को भारतीय कॉफी बाजार में अपनी अग्रणी स्थिति को और मजबूत करने में मदद करेगा।

पर्सिस्टेंट सिस्टम्स का पहली तिमाही में मुनाफा 13.7 प्रतिशत बढ़कर 483 करोड़

नई दिल्ली ।

पुणे स्थित आईटी सेवा प्रदाता पर्सिस्टेंट सिस्टम्स ने वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में शानदार वित्तीय नतीजे पेश किए हैं। कंपनी का मुनाफा सालाना आधार पर 13.67 प्रतिशत बढ़कर 483.04 करोड़ रुपये हो गया, जबकि परिचालन आय में 29 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई, जो 4,303.22 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। यह वृद्धि मुख्य रूप से 1.15 अरब डॉलर के रिकॉर्ड तिमाही कुल अनुबंध मूल्य (टीसीवी) और बड़े ग्राहकों के साथ रणनीतिक साझेदारियों से समर्थित थी। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 424.93 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ और 3,333.58 करोड़ रुपये की परिचालन आय दर्ज की थी। हालांकि, तिमाही-दर-तिमाही आधार पर, विदेशी मुद्रा विनिमय नुकसान के कारण शुद्ध लाभ 8.7 प्रतिशत घटा, जबकि राजस्व में छह प्रतिशत की वृद्धि हुई। कंपनी ने कहा कि इस प्रदर्शन को 1.15 अरब अमेरिकी डॉलर के रिकॉर्ड तिमाही टीसीवी से बल मिला जिसमें एक अग्रणी वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनी के साथ 65 करोड़ डॉलर से अधिक का साढ़े छह वर्ष का रणनीतिक सेवा समझौता भी शामिल है सॉफ्टवेयर, हाई-टेक और उभरते उद्योग क्षेत्र 40.7 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ सबसे बड़े राजस्व योगदानकर्ता बने रहे जिसमें सालाना 15.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं और बीमा (बीएफएसआई) क्षेत्र की हिस्सेदारी 34 प्रतिशत रही और इसमें 16.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। 30 जून 2026 तक कंपनी में कर्मचारियों की संख्या बढ़कर 28,640 हो गई।

घरेलू ईवी ट्रक उद्योग सशक्त बनाने की तैयारी, आयात शुल्क 40 फीसदी करने का प्रस्ताव

सियाम ने विदेशी इलेक्ट्रिक प्राइम मूवर्स के बढ़ते आयात पर जताई चिंता

नई दिल्ली ।

घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और विदेशी उत्पादों की डंपिंग रोकने के उद्देश्य से, भारी उद्योग मंत्रालय ने वित्त मंत्रालय से ट्रक-ट्रैक्टरों पर आयात शुल्क को मौजूदा 10 प्रतिशत से चार गुना बढ़ाकर 40 प्रतिशत करने का अनुरोध किया है।

सोसाइटी ऑफ ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरस (सायम) ने विशेष रूप से इलेक्ट्रिक ट्रक-ट्रैक्टरों के बढ़ते आयात पर गहरी चिंता व्यक्त की है, जिसे विदेशी ब्रांडों द्वारा बाजार में कम शुल्क का दुरुपयोग बताया जा रहा है।

`सियाम ने पिछले साल 28 नवंबर को भारी उद्योग मंत्रालय को भेजे पत्र में बताया था कि वित्त वर्ष 26 की पहली छमाही में चीन से 400 और यूरोप से 100 इलेक्ट्रिक ट्रक का आयात किया गया।` सियाम का कहना है कि मौजूदा 10 फीसदी आयात शुल्क विदेशी इलेक्ट्रिक ट्रक निर्माताओं को उनके भारतीय प्रतिस्पर्धियों पर 40-50 फीसदी का मूल्य लाभ दे रहा है।

उद्योग निकाय ने चेतावनी दी है कि यदि यह शुल्क जारी रहता है, तो 2027 तक आयातित इलेक्ट्रिक प्राइम मूवर्स की संख्या 1,000-3,000 इकाई तक बढ़ सकती है, जो भारतीय बाजार का 20-25 फीसदी हिस्सा हो सकता है।

भारत सरकार प्रधानमंत्री इलेक्ट्रिक ड्राइव रेवोल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल एन्हांसमेंट (पीएम ई-ड्राइव) योजना के तहत घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन दे रही है। ब्लू एनर्जी मोटर्स, मोंट्रा इलेक्ट्रिक, टाटा मोटर्स और अशोक लीलैंड जैसे प्रमुख खिलाड़ियों ने इलेक्ट्रिक प्राइम मूवर्स के विकास और विनिर्माण में भारी निवेश किया है। सायम ने भारतीय निर्माताओं के इस निवेश की सुरक्षा के लिए मजबूत सुरक्षा उपायों और शुल्क वृद्धि की आवश्यकता पर बल दिया है ताकि विदेशी ब्रांड बिना किसी ठोस परिचालन के सस्ते आयातित इकाइयों से भारतीय बाजार में प्रवेश न कर सकें।

कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट

ब्रेंट 4 फीसदी से ज्यादा और डब्ल्यूटीआई 5 फीसदी से ज्यादा

नई दिल्ली ।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच सोमवार को वैश्विक कच्चे तेल बाजार को बड़ी राहत मिली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान पर प्रस्तावित बड़े सैन्य हमले को टालने और बातचीत का रास्ता चुनने के फैसले के बाद कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। इस कदम से पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और तेल आपूर्ति पर मंडरा रहा खतरा टलने की उम्मीद जगी, जिसके चलते ब्रेंट क्रूड और डब्ल्यूटीआई क्रूड दोनों में 4 से 5 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। सोमवार को बाजार खुलने के साथ ही ब्रेंट क्रूड 4 फीसदी से ज्यादा गिरकर 84 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गया, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड 5 फीसदी से ज्यादा टूटकर 81 डॉलर प्रति बैरल के नीचे कारोबार करने लगा। ट्रंप ने कहा कि सऊदी अरब सहित कई सहयोगी देशों ने सैन्य कार्रवाई के बजाय बातचीत को प्राथमिकता देने की अपील की थी। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि यदि होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने पर जल्द प्रगति होती है, तो कूटनीतिक प्रयास जारी रहेंगे। इस खबर ने बाजार में और वैश्विक तेल आपूर्ति पर खतरा भी टलेगा, जिसके परिणामस्वरूप कीमतों में तेज गिरावट आई। हालांकि, बाजार में अभी भी उतार-चढ़ाव बना हुआ है। जुलाई में ब्रेंट क्रूड में करीब 25 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई थी, जो बड़े मासिक उतार-चढ़ाव का संकेत है। तेल की कीमतों में शुरुआती गिरावट के बाद कुछ रिकवरी भी दिखी, जिसकी वजह ओमान के तट के पास हुए एक तेल टैंकर विस्फोट की खबर रही। यह घटना बताती है कि होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास सुरक्षा चिंताएं अभी भी बरकरार हैं, जो दुनिया की लगभग 20 फीसदी कच्चे तेल और एलएनजी आपूर्ति का महत्वपूर्ण मार्ग है। इस बीच ओपेक के प्रमुख देशों ने उत्पादन बढ़ाने की अपनी योजना को आगे बढ़ाने की मंजूरी दे दी है, जिससे भविष्य में वैश्विक बाजार में तेल की आपूर्ति बढ़ सकती है। वहीं इराक और तुर्की ने भी अपनी तेल पाइपलाइन समझौते को एक साल के लिए बढ़ाया है, जिससे प्रतिदिन करीब 7.5 लाख बैरल तेल का निर्यात संभव होगा। ईरान और ओमान के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े नए शिपिंग रूट पर बातचीत भी अंतिम चरण में है, जो क्षेत्र में तनाव कम करने

एमएंडएम वित्त वर्ष 27 तक बढ़ाएगी मासिक ईवी उत्पादन क्षमता

चाकण और नागपुर में नए प्लांट, ब्रोकरेज ने दिया बाय का कॉल

नई दिल्ली।

महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) इलेक्ट्रिक वाहनों के बाजार में एक मजबूत पकड़ बनाने के लिए बड़े पैमाने पर तैयारी कर रही है। कंपनी सिर्फ नई गाड़ियां लॉन्च करने तक सीमित नहीं है, बल्कि भविष्य की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अपनी उत्पादन क्षमता, प्लांट और तकनीकी प्लेटफॉर्म पर भारी निवेश कर रही है। यह रणनीति ब्रोकरेज हाउसेस को भी पसंद आ रही है, जो एमएंडएम के ईवी कारोबार को कंपनी की अगली बड़ी ग्रोथ ड्राइवर मान रहे हैं। महिंद्रा एंड महिंद्रा इलेक्ट्रिक एसयूवी मॉडल लॉन्च करने पर ही नहीं है, बल्कि वह अपनी फैक्ट्री की क्षमता बढ़ाने, नए प्लांट तैयार करने और आने वाले सालों की मांग को ध्यान में रखकर भारी निवेश कर रही है। यही वजह है कि ब्रोकरेज फर्म्स मान रहे हैं कि एमएंडएम ्का इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) कारोबार आने वाले समय में कंपनी की कमाई और समग्र ग्रोथ दोनों को नई रफ्तार दे सकता है। एमएंडएम का कहना है कि उसे अपने इलेक्ट्रिक वाहनों, विशेषकर एक्सईवी 9एस के लिए बाजार से बेहतरीन प्रतिक्रिया मिल रही है। जून तिमाही में एमएंडएम की इलेक्ट्रिक एसयूवी की बाजार के दम पर कंपनी अब अपने ईवी पोर्टफोलियो को और मजबूत करने में जुटी है। वर्तमान में एमएंडएम हर महीने लगभग 64,500 एसयूवी बना सकती है, जिसमें 8,000 इलेक्ट्रिक एसयूवी शामिल हैं।

कंपनी का लक्ष्य वित्त वर्ष 2027 के आखिर तक कुल क्षमता बढ़ाकर 82,000 यूनिट प्रति महीना करना है। इसमें इलेक्ट्रिक एसयूवी की क्षमता बढ़कर 12,000 यूनिट प्रति महीना हो जाएगी। इसके बाद ``वित्त वर्ष 28 में चाकण प्लांट में हर महीने 10,000 यूनिट की अतिरिक्त क्षमता जोड़ी जाएगी। क्षमता जोड़ेगा, जिससे नए इलेक्ट्रिक मॉडल का उत्पादन बढ़ाना आसान होगा।

कंपनी ने बताया है कि उसके आगामी नए मॉडल एनयू-आईक्यू प्लेटफॉर्म पर आधारित होंगे, जिसके जरिए एमएंडएम उन सेगमेंट में भी प्रवेश करेगी जहां अभी उसकी मौजूदगी कम है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने एमएंडएम के शेयर पर बाय रेटिंग बरकरार रखते हुए 4,100 रुपए का टारगेट दिया है।

ब्रोकरेज का मानना है कि मजबूत एसयूवी मांग और बढ़ती उत्पादन क्षमता आगे ग्रोथ को सहारा देगी, हालांकि कच्चे माल

यूपीआई सुरक्षा घेरा हुआ मजबूत, संदिग्ध पेमेंट पर आएगा हां/नहीं अलर्ट

बढ़ते ऑनलाइन फ्रॉड के बीच बैंकों ने आरबीआई और एनपीसीआई को सुझाया नया सुरक्षा तंत्र

नई दिल्ली ।

भारत में तेजी से बढ़ते यूपीआई साइबर फ्रॉड पर लगाम कसने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। बैंकों ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के सामने यूपीआई पेमेंट के लिए एक नया सुरक्षा मॉडल प्रस्तावित किया है। इस मॉडल के तहत, संदिग्ध या हाई-रिस्क ट्रांजैक्शन पर यूजर्स को हां या नहीं का कंफर्मेशन अलर्ट मिलेगा, जिससे अनजाने में होने वाले धोखे को रोका जा सकेगा। वर्तमान में, करोड़ों लोग हर दिन यूपीआई के जरिए डिजिटल पेमेंट कर रहे हैं, लेकिन इसके साथ ही ऑनलाइन ठगी, फर्जी कस्टमर केयर कॉल और नकली रिफंड स्कैम जैसे साइबर फ्रॉड के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए बैंकों ने एक नया सुरक्षा मॉडल ... ट्रांजैक्शन संदिग्ध पाया जाता है तो पेमेंट पूरा होने से पहले ग्राहक की स्क्रीन पर हां/नहीं का अलर्ट दिखाई देगा। हाँ चुनने पर पेमेंट आगे बढ़ेगा, जबकि नहीं दबाने पर ट्रांजैक्शन रद्द हो जाएगा। यदि यूजर कोई प्रतिक्रिया नहीं देता है तो पेमेंट तुरंत क्रेडिट होने के बजाय कुछ समय बाद पूरा हो सकता है। यह नया नियम हर पेमेंट पर लागू नहीं होगा, बल्कि केवल उन्हीं ट्रांजैक्शन पर दिखेगा जिनमें असामान्य गतिविधि, जैसे देर रात बड़ा पेमेंट, पहली बार किसी नए व्यक्ति को पैसा भेजना या हाल ही में खुले खाते में ट्रांसफर करना, शामिल हो। बैंकों ने कुछ ट्रांजैक्शन में एक घंटे की देरी वाले आरबीआई के सुझाव पर भी अपनी चिंता जताई है। उनका मानना है कि इससे डिजिटल पेमेंट की गति धीमी हो सकती है। हालांकि, 10,000 रुपये से अधिक के हर लेनदेन पर अलर्ट दिखाने के बजाय, बैंक

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम का भारत दौरा

भारतीय मूल के नील पटेल को 16 सदस्यीय टीम में मिली जगह

नईदिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अगले महीने होने वाले भारत दौरे के लिए 16 सदस्यीय अंडर-19 पुरुष टीम का ऐलान कर दिया है। इस टीम में भारतीय मूल के न्यू साउथ वेल्स के खिलाड़ी नील पटेल को भी शामिल किया गया है। यह टीम भारत के खिलाफ राजकोट और अहमदाबाद में पांच मैचों की मल्टी-फॉर्मेट सीरीज खेलेगी। न्यू साउथ वेल्स के रहने वाले नील पटेल यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स क्रिकेट क्लब से खेलते हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के उभरते युवा खिलाड़ियों में गिना जाता है।

- **राजकोट और अहमदाबाद में खेले जाएंगे मैच** – यह दौरा चार सप्ताह तक चलेगा। इसमें ऑस्ट्रेलिया की टीम भारत के खिलाफ तीन 50-ओवर के मैच और दो चार-दिवसीय मैच खेलेगी।ये मुकाबले 13 सितंबर से 9 अक्टूबर 2026 के बीच राजकोट और अहमदाबाद में आयोजित किए जाएंगे। इस टीम का चयन यूथ नेशनल सिलेक्शन पैनल ने किया है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया के सबसे होनहार युवा खिलाड़ियों को जगह दी गई है।
- **टिम नीलसन होंगे हेड कोच** – ऑस्ट्रेलियाई टीम के हेड कोच पूर्व क्रिकेटर टिम नीलसन होंगे। नीलसन फिलहाल डार्विन में बांग्लादेश के खिलाफ क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इलेवन प्रोग्राम की देखरेख कर रहे हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की नेशनल डेवलपमेंट हेड सोन्या थॉम्पसन ने कहा कि यह दौरा युवा खिलाड़ियों के विकास के लिए एक बेहतरीन मौका है। उन्होंने कहा कि भारत की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में खेलने से खिलाड़ियों की तकनीकी और मानसिक क्षमता का परीक्षण होगा।टीम नील्सन फिलहाल डार्विन में बांग्लादेश के खिलाफ क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इलेवन प्रोग्राम की देखरेख कर रहे हैं।
- **ऑस्ट्रेलियाई टीम में ये खिलाड़ी शामिल** – टीम में केसी बार्टन (तस्मानिया), हेडन बारबुलोविक (साउथ ऑस्ट्रेलिया), एली ब्रेन (क्वींसलैंड), विल बायरोम (न्यू साउथ वेल्स), ब्लेक कैटल (न्यू साउथ वेल्स), जैक जोस्नेक (विक्टोरिया), स्पेंसर ग्रीन (क्वींसलैंड), कॉनर ग्रेगरी (साउथ ऑस्ट्रेलिया), चार्ली हेंडरसन (क्वींसलैंड), जेड होलिक (वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया), मैथ्यू लॉफ (वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया), नील पटेल (न्यू साउथ वेल्स), जैकब पिट्ज (विक्टोरिया), पैट्रिक सुलिवन (विक्टोरिया), थियो त्सिंगोस (क्वींसलैंड) और थॉमस वासेओ (क्वींसलैंड) शामिल हैं।

टीम इंडिया की बढ़ती चोटों पर बीसीसीआई सख्त

सपोर्ट स्टाफ और हेड फिजियो की होगी समीक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट टीम में लगातार बढ़ रही खिलाड़ियों की चोटों ने अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की चिंता बढ़ा दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्रीलंका टेस्ट सीरीज के बाद बोर्ड टीम इंडिया के मेडिकल और सपोर्ट स्टाफ की समीक्षा करेगा। खासतौर पर हेड फिजियो कमलेश जैन की भूमिका जांच के दायरे में है। कप्तान शुभमन गिल और मुख्य कोच गौतम गंभीर भी खिलाड़ियों की लगातार चोटों से संतुष्ट नहीं बताए जा रहे हैं।

लगातार चोटों ने बढ़ाई बीसीसीआई की चिंता – हाल के महीनों में टीम इंडिया के कई अहम खिलाड़ी चोटिल हुए हैं। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह घुटने की चोट के कारण श्रीलंका दौरे से बाहर हो गए हैं। इससे पहले हर्षित राणा और नितीश कुमार रेड्डी भी चोट के चलते दो मैचों की टेस्ट सीरीज से बाहर हो चुके हैं।वहीं स्टार ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर पहले टेस्ट से बाहर हैं और दूसरे टेस्ट में भी उनके खेलने पर संशय बना हुआ है। लगातार बढ़ती इन चोटों ने चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

बाय-बाय ग्लास्गो 2026

भारत को मिली कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी, सौंपी मिशाल

नीरज, पीटी ऊषा को ध्वज मिला, क्लोजिंग सेरेमनी में शंकर महादेवन, मानुषी छिल्लर की शानदार प्रस्तुति ग्लास्गो (स्कॉटलैंड): 11 दिनों तक चले कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की रविवार को रंगारंग समाप्ति हो गई। इस इवेंट में भारत ने 39 मेडल के साथ ओवरऑल मेडल स्टैंडिंग में चौथा स्थान हासिल किया. बता दें, नई बॉक्सिंग चैंपियन बनी जैस्मिन लैम्बोरिया को क्लोजिंग सेरेमनी के लिए देश का फ्लैग-बेयरर बनाया गया।

जानकारी के मुताबिक अगले कॉमनवेल्थ गेम्स (2030) का शताब्दी संस्करण बनाया जाएगा, जिसकी मेजबानी भारत को सौंपी गई है. कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 गुजरात के अहमदाबाद में आयोजित किए जाएंगे. क्लोजिंग सेरेमनी के दौरान कॉमनवेल्थ गेम्स के आधिकारिक ध्वज और बैटन भारत को सौंपे गए हैं. इस दौरान भारत की तरफ से ओलंपिक गोल्ड मेडल विजेता नीरज चोपड़ा, भारतीय ओलंपिक संग की अध्यक्ष पीटी उषा और गुजरात के डिप्टी सीएम हर्ष सिंघवी मौजूद रहे।

भारत ने ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में 122 खिलाड़ियों के ग्रुप से 13 गोल्ड, 17 ??सिल्वर और नौ ब्रॉन्ज मेडल जीते. यह चार साल पहले बर्मिंघम में मिली चौथी जगह की बराबरी है, जबकि इस बार उसने एक बहुत छोटे प्रोग्राम में हिस्सा लिया था, जिसमें कई ऐसे खेल शामिल नहीं थे जिनमें देश पारंपरिक रूप से मेडल जीतता है. भारत के मेडल की संख्या 2022 में बर्मिंघम में जीते गए 61 मेडल से कम थी, लेकिन हालात कुछ और ही कहानी बताते हैं. उनमें से तीस मेडल ऐसे खेलों में आए थे, जिन्हें ग्लासगो प्रोग्राम से हटा दिया गया था।

चार साल पहले 210 की तुलना में सिर्फ 122 एथलीट के साथ, भारत फिर भी अपना चौथा स्थान बनाए रखने में कामयाब रहा, जबकि मेडल कन्वर्जन रेट और भी बेहतर रहा, जिसमें 38 एथलीट मेडल के साथ घर लौटे. लंबी दूरी के रनर गुलवीर सिंह दो मेडल जीतने वाले अकेले भारतीय थे. ऑस्ट्रेलिया ने 70 गोल्ड मेडल समेत कुल 171 मेडल जीतकर गेम्स में अपना दबदबा बनाया, जबकि इंग्लैंड 110 मेडल के साथ दूसरे और कनाडा 62 मेडल के साथ तीसरे नंबर पर रहा. भारत 39 मेडल के साथ मेजबान स्कॉटलैंड के बराबर रहा, लेकिन ज्यादा गोल्ड मेडल जीतने की वजह से चौथे नंबर पर रहा।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की रंगारंग समाप्ति

2030 कॉमनवेल्थ गेम्स अहमदाबाद में होंगे, जिससे ऑस्ट्रेलिया के बाद भारत दूसरा ऐसा देश बन जाएगा जिसने एक से ज्यादा बार इस मल्टी-स्पोर्ट इवेंट की मेजबानी की है। भारत ने इससे पहले 2010 में नई दिल्ली में ये गेम्स होस्ट किए थे. क्लोजिंग सेरेमनी स्कॉटलैंड की रिच कल्चरल हेरिटेज के सेलिब्रेशन के साथ शुरू हुई, जिसके बाद भारत की कल्चरल डायवर्सिटी और सदियों पुरानी परंपराओं का एक रंगीन शोकेस हुआ।

सेरेमनी की एक खास बात एक अनोखा इंडो-स्कॉटिश कल्चरल कोलैबोरेशन था, जिसमें दोनों देशों के म्यूज़द्धशियन और डांसर एक जबरदस्त 'जुगलबंदी' के लिए एक साथ आए, जो ग्लासगो से अहमदाबाद बैटन के ट्रांसफर का प्रतीक था. सेरेमोनियल हैंडओवर पूरा होने के साथ, अब फोकस अहमदाबाद पर है, जो 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स के सौवें एडिशन को होस्ट करेगा।

आकिब नबी पहली बार भारतीय टेस्ट टीम में

बुमराह की जगह श्रीलंका दौरे पर जाएंगे, टीम इंडिया में आने वाले जम्मू-कश्मीर के तीसरे प्लेयर

नईदिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में बड़ा बदलाव हुआ है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जगह आकिब नबी को टीम में शामिल किया गया है। नबी टीम इंडिया में चुने जाने वाले जम्मू-कश्मीर के सिर्फ तीसरे क्रिकेटर हैं। श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज 15 अगस्त से गॉल में शुरू होगी।

जसप्रीत बुमराह रविवार को टीम इंडिया से बाहर हो गए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वे घुटने की चोट से नहीं उबर पाए हैं। टीम मैनेजमेंट और बीसीसीआई ने उनके लंबे करियर को देखते हुए कोई जोखिम नहीं लेने का फैसला किया है।

नबी टेस्ट टीम में चुने जाने वाले जम्मू-कश्मीर के पहले क्रिकेटर – 23 साल के आकिब नबी ने रणजी ट्रॉफी 2025-26 में शानदार प्रदर्शन किया था। अब उन्हें भारतीय टेस्ट टीम में मौका मिला है। वे टेस्ट टीम में चुने जाने वाले जम्मू कश्मीर के पहले क्रिकेटर हैं। वैसे, यहां के परवेज रसूल और उमरान मलिक भी भारतीय टीम में चुने जा चुके हैं लेकिन उन्हें सिर्फ वनडे और टी20 टीम में मौका मिला है।

दो रणजी सीजन में कुल 104 विकेट चटकाए – 29 साल आकिब ने 2025-26 रणजी ट्रॉफी में मात्र 10 मैचों में 60 विकेट लिए, जिनमें सात बार पांच विकेट लेने का कारनामा शामिल है। पिछले दो रणजी सीजन में आकिब नबी ने कुल 104 विकेट लिए हैं। इनमें 2025-26 में 60 और पिछले सीजन में 44 विकेट शामिल हैं। इन आंकड़ों ने आकिब नबी का लाल गेंद क्रिकेट में देश के सबसे प्रभावशाली गेंदबाजों में शुमार कर दिया है।आकिब का नाकआउट मुकाबलों में प्रदर्शन विशेष रूप से शानदार रहा। आकिब ने क्वार्टरफाइनल में मध्य प्रदेश, सेमीफाइनल में बंगाल और फाइनल में कर्नाटक के विरुद्ध निर्णायक गेंदबाजी की। इन प्रदर्शनों ने न केवल जम्मू-कश्मीर को पहली बार रणजी ट्रॉफी का खिताब दिलाया बल्कि दबाव में उनके धैर्य को भी प्रदर्शित किया। बीसीसीआई ने टीम में बदलाव की पुष्टि की है। हालांकि, बोर्ड ने बुमराह को टीम से बाहर करने या आकिब नबी को शामिल करने का कारण नहीं बताया है।

हाल ही में इंडिया ए के साथ श्रीलंका दौरे पर थे नबी – आकिब नबी हाल ही में इंडिया ए टीम के साथ श्रीलंका दौरे पर भी गए थे। वहां उन्होंने दो प्रथम श्रेणी मैचों में छह विकेट लिए थे।

वेस्टइंडीज ने पहले दिन बनाए 239/5

ग्रीव्स-चेज की नाबाद साझेदारी, पाकिस्तान के स्पिनर्स को मिली सफलता, पेसर्स रहे बेअसर

पोर्ट ऑफ स्पेन (एजेंसी)। वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के बीच पोर्ट ऑफ स्पेन के क्वीन्स पार्क ओवल में खेले जा रहे टेस्ट मैच के पहले दिन मेजबान टीम ने मजबूत शुरुआत की। बारिश और खराब रोशनी से प्रभावित दिन का खेल खत्म होने तक वेस्टइंडीज ने पहली पारी में 5 विकेट पर 239 रन बनाए। जस्टिन ग्रीव्स अर्धशतक लगाकर नाबाद लौटे। उनके साथ कप्तान रोस्टन चेज भी क्रीज पर मौजूद हैं। दोनों के बीच छठे विकेट के लिए 66 रन की साझेदारी हो चुकी है। पाकिस्तान की ओर से स्पिनरों ने शुरुआती सफलता दिलाई, लेकिन निचले क्रम ने टीम की वापसी नहीं होने दी।

अब्बास को बाहर रखने पर उठे सवाल, ओपनर्स ने दिलाई तेज शुरुआत – मैच से पहले पाकिस्तान ने अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास को प्लेइंग-11 में शामिल नहीं किया। इस फैसले पर पूर्व खिलाड़ियों और विशेषज्ञों ने सवाल उठाए।

वेस्टइंडीज के ओपनर्स ने इसका फायदा उठाते हुए 9.5 ओवर में 49 रन जोड़ दिए। हालांकि, बारिश से पहले आखिरी गेंद पर मोहम्मद अली ने तागेनरायन चंद्रपॉल को फाइन लेग पर कैच कराकर पाकिस्तान को पहली सफलता दिलाई।

बारिश के बाद स्पिनर्स ने बदला मैच का रुख – बारिश के बाद पिच से स्पिनरों को मदद मिलने लगी। कप्तान बाबर आजम ने अली उस्मान और साजिद खान को आक्रमण पर लगाया।अली उस्मान ने ब्रैंडन किंग को एलबीडब्ल्यू आउट कर टेस्ट करियर का पहला विकेट हासिल किया। इसके बाद साजिद खान ने कावेम हॉज को विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान के हाथों कैच कराया। दोनों फैसलों में पाकिस्तान ने सफल डीआरएस लिया। किंग ने 46 रन बनाए।

उबेद शाह को मिला पहला टेस्ट विकेट – शाई होप और अमिर जांगू ने चौथे विकेट के लिए तेजी से रन जोड़े और पाकिस्तान पर दबाव बनाए रखा। होप ने कवर के ऊपर शानदार छक्का भी लगाया।इसके बाद डेब्यू कर रहे तेज गेंदबाज उबेद शाह ने अमिर जांगू को विकेटकीपर रिजवान के हाथों कैच कराकर टेस्ट क्रिकेट का पहला विकेट लिया। हालांकि, वह पूरे दिन महंगे साबित हुए।

ग्रीव्स और चेज ने पाकिस्तान की उम्मीदों पर फेरा पानी – चायकाल के बाद मोहम्मद अली ने शाई होप को बोल्ड कर पाकिस्तान को पांचवीं सफलता दिलाई। इसके बाद लगा कि पाकिस्तान जल्द पारी समेट सकता है, लेकिन जस्टिन ग्रीव्स और कप्तान रोस्टन चेज ने संभलकर बल्लेबाजी की।

ग्रीव्स ने शानदार अर्धशतक लगाया और चेज के साथ छठे विकेट के लिए 66 रन की नाबाद साझेदारी कर टीम का स्कोर 239/5 तक पहुंचाया। पहले दो सत्र में असरदार दिखे पाकिस्तान के स्पिनर्स दिन के अंत तक पिच से कम मदद मिलने के कारण ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ सके।

धवन के ऑलराउंड प्रदर्शन से भारत ने पाकिस्तान को रोमांचक मुकाबले में 2 विकेट से हराया

लुसाका, जाम्बिया (एजेंसी)। एशियन लीजेंड्स लीग में भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए हाई-वोल्टेज मुकाबले में इंडियन रॉयल्स ने शानदार वापसी करते हुए पाकिस्तान पैंथर्स को दो विकेट से हरा दिया। 168 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने 17.3 ओवर में 8 विकेट खोकर 169 रन बनाए और रोमांचक जीत दर्ज की। इस जीत के सबसे बड़े हीरो ऋषि धवन रहे, जिन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने बनाए 167 रन – टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान पैंथर्स ने 20 ओवर में 6

विकेट पर 167 रन बनाए। भारतीय गेंदबाजों ने बीच के ओवरों में रन गति पर लगाम लगाई, जिससे पाकिस्तान बड़ा स्कोर नहीं बना सका। भारतीय टीम के सामने जीत के लिए 168 रन का लक्ष्य था।

44 रन पर 4 विकेट गिरने के बाद संकट में फंसी भारतीय टीम – लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंडियन रॉयल्स की शुरुआत बेहद खराब रही। मोहम्मद इरफान ने नमन ओझा (4) को जल्दी पवेलियन भेज दिया। अभिषेक जलोटा ने 19 गेंदों में 30 रन की तेज पारी खेली, लेकिन उनके आउट होते ही भारतीय बल्लेबाजी लड़खड़ा गई।

30 अगस्त से शेर-ए-पंजाब टी-20 लीग शुरू

मोहाली में खेलते दिखेंगे शुभमन गिल और अर्शदीप सिंह, 6 टीमों के बीच होंगे 27 मुकाबले

मोहाली (एजेंसी)। क्रिकेट प्रेमियों के लिए अच्छी खबर है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह समेत कई स्टार क्रिकेटर अब इसी महीने मोहाली के पीसीए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेलते नजर आएंगे। शेर-ए-पंजाब टी-20 लीग का रविवार को भव्य आगाज हुआ। टूर्नामेंट 30 अगस्त से 13 सितंबर तक चलेगा।

पीसीए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित उद्घाटन समारोह में पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) के सचिव गुरमीत सिंह मीत हेयर और अध्यक्ष अमरजीत सिंह महिता ने लीग का औपचारिक शुभारंभ किया। इस मौके पर भारतीय कप्तान शुभमन गिल और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह विशेष रूप से मौजूद रहे।

9 अगस्त को होगी खिलाड़ियों की नीलामी– टूर्नामेंट में छह फ्रेंचाइजी टीमें कुल 27 मुकाबले खेलेंगी। क्रिकेट प्रेमियों को शुभमन गिल, अर्शदीप सिंह, अभिषेक शर्मा, प्रभसिमरन सिंह, गुरनूर बराड़ और रमनदीप सिंह जैसे स्टार खिलाड़ियों को एक्शन में देखने का मौका मिलेगा। खिलाड़ियों की नीलामी 9 अगस्त को होगी।

छह फेंचाइजी टीमें हिस्सा लेंगी – लीग में अमृतसर, फाजिल्का, जालंधर, लुधियाना, मोहाली और बठिंडा की छह फ्रेंचाइजी हिस्सा लेंगी। प्रत्येक फ्रेंचाइजी के पास 45 लाख रुपए का पर्स होगा और वह अधिकतम 20 खिलाड़ियों को अपनी टीम में शामिल कर सकेगी। मार्की खिलाड़ी की कीमत 10 लाख रुपए तय की गई है, जबकि आइकन खिलाड़ी की बेस प्राइस 1.50 लाख रुपए रखी गई है।

प्रथम श्रेणी, अंडर-23, अंडर-19 और जिला स्तर के खिलाड़ियों के लिए अलग-अलग बेस प्राइस निर्धारित की गई है। पीसीए सचिव गुरमीत सिंह मीत हेयर ने कहा कि यह लीग मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की दूरदर्शी सोच का परिणाम है।

इसका उद्देश्य पंजाब के घरेलू खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय सितारों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने और पेशेवर माहौल में सीखने का अवसर देना है। कार्यक्रम के दौरान टूर्नामेंट का आधिकारिक लोगो लॉन्च किया गया। इस अवसर पर पीसीए के पदाधिकारियों ने फ्रेंचाइजी मालिकों और प्रमुख क्रिकेटरों को सम्मानित भी किया।

तीसरा गोल्ड जीतने वाली मीराबाई चानू ने केंद्रीय मंत्री से की मुलाकात, भेंट की साइन की हुई जर्सी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में ऐतिहासिक प्रदर्शन करने के बाद भारतीय स्टार वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू से मुलाकात की। इस दौरान मीराबाई और भारतीय वेटलिफ्टिंग टीम के मुख्य कोच विजय शर्मा ने रिजिजू को पूरी भारतीय वेटलिफ्टिंग टीम के खिलाड़ियों के हस्ताक्षर वाली जर्सी भेंट की। किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' पर मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, कॉमनवेल्थ गेम्स, ग्लासगो में शानदार जीत के बाद स्वागत है मीराबाई चानू। आपने एक बार फिर वेटलिफ्टिंग में गोल्ड मेडल जीतकर भारत का नाम रोशन किया। सभी वेटलिफ्टरों के हस्ताक्षर वाली

टी-शर्ट भेंट करने के लिए धन्यवाद।

मीराबाई ने रचा इतिहास – टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू ने ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में महिलाओं के 48 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने स्नैच में 85 किलोग्राम वजन उठाकर कॉमनवेल्थ गेम्स रिकॉर्ड बनाया, जबकि क्लीन एंड जर्क में 105 किलोग्राम वजन उठाकर एक और रिकॉर्ड अपने नाम किया। इसके साथ ही उन्होंने लगातार तीसरी बार कॉमनवेल्थ गेम्स का गोल्ड मेडल जीतने का कारनामा किया।

चौथा सीडब्लयूजी पदक, लगातार तीसरा गोल्ड – मीराबाई के करियर का यह चौथा कॉमनवेल्थ गेम्स पदक है। उन्होंने 2014 ग्लासगो खेलों में रजत पदक जीता था, जबकि 2018 गोल्ड कोस्ट, 2022 बर्मिंघम और अब 2026 ग्लासगो में लगातार तीन स्वर्ण पदक अपने नाम किए। वह कॉमनवेल्थ गेम्स में लगातार तीन गोल्ड जीतने वाली दुनिया की पहली महिला वेटलिफ्टर भी बन गई हैं।

दिल्ली एयरपोर्ट पर हुआ भव्य स्वागत – ग्लासगो से लौटने के बाद रविवार को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मीराबाई चानू का जोरदार स्वागत किया गया। बड़ी संख्या में प्रशंसक, परिवार के सदस्य और समर्थक उनका स्वागत करने पहुंचे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डस्की स्किन वाली महिलाओं जरूर ट्राई करें ये मेकअप हैक्स, बढ़ जाएगी चेहरे की खूबसूरती

आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ब्यूटी एक्सपर्ट की मदद से कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं। जिनका इस्तेमाल करने से आप आसानी से डस्की स्किन को खूबसूरत बना सकती हैं। हम आपको डस्की स्किन पर मेकअप करने के लिए आप कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं।

हर महिला खूबसूरत दिखना चाहती हैं, जिसके लिए वह काफी प्रयास भी करती हैं। डस्की स्किन को खूबसूरत बनाने के लिए महिलाएं महंगे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं। अगर आपकी स्किन भी डस्की है, तो आप भी अपने चेहरे को खूबसूरती में चार चांद लगाने के लिए मेकअप करती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ब्यूटी एक्सपर्ट की मदद से कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं। जिनका इस्तेमाल करने से आप आसानी से डस्की स्किन को खूबसूरत बना सकती हैं। हम आपको डस्की स्किन पर मेकअप करने के लिए आप कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं।

सही फाउंडेशन

मेकअप करने से पहले सही फाउंडेशन का चुनाव करना बेहद जरूरी होता है। ऐसे में आप ऑरेंज या ब्राउन टोन फाउंडेशन का इस्तेमाल कर सकती हैं। यह डस्की स्किन के लिए बेस्ट ऑप्शन साबित हो सकता है।

कोरल शेड ब्लश

डस्की स्किन वाली लड़कियां कोरल शेड ब्लश का इस्तेमाल कर सकती हैं। यह इस स्किन टोन वाली लड़कियों के लिए फायदेमंद हो सकता है। वहीं आंखों का मेकअप करने के लिए आप ब्लैक कलर के लाइनर का यूज कर सकती हैं। वहीं आप आईशैडो भी लाइट कलर को चुनें।

वॉर्म टोन लिपस्टिक

अगर आप लिपस्टिक के कलर को चुनने में कंफ्यूज हो रही हैं, तो डस्की स्किन वाली लड़कियां वॉर्म टोन वाली लिपस्टिक चुन सकती हैं। यह शेड्स आपके चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाने में सहायता करते हैं।

न्यूड शेड कंपैक्ट पाउडर

मेकअप के समय जब भी आप कंपैक्ट पाउडर का इस्तेमाल करें, तो इसका शेड न्यूड ही रखें। यह कंपैक्ट पाउडर मेकअप को खास बनाने में मदद करेगा। डस्की स्किन वाली लड़कियों के लिए यह मेकअप टिप्स बहुत काम आएंगे।

रात में सोने से पहले चेहरे पर लगाएं एलोवेरा जेल, त्वचा को मिलेंगे ये जबरदस्त फायदे

दादी-नानी के जमाने से एलोवेरा जेल को त्वचा के लिए फायदेमंद माना जाता रहा है। आइए एलोवेरा जेल लगाने के कुछ कमाल के स्किन बेनिफिट्स के बारे में जानकारी हासिल करते हैं।

त्वचा के लिए फायदेमंद एलोवेरा जेल

क्या आप जानते हैं कि एलोवेरा जेल त्वचा से जुड़ी कई समस्याओं से छुटकारा दिलाने में कारगर साबित हो सकता है? अगर आप सही तरीके से एलोवेरा जेल को अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल करते हैं, तो आप अपनी स्किन को फ्लॉलेस बना सकते हैं। हर रोज रात में सोने से पहले फेस वॉश कीजिए और फिर साफ चेहरे पर एलोवेरा जेल लगाइए। महज कुछ ही हफ्तों के अंदर आपको खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर दिखाई देने लगेगा।

सुधारे चेहरे की रंगत

एलोवेरा जेल में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपकी त्वचा की डीप क्लीनिंग करने में मददगार साबित हो सकते हैं। हर रोज एलोवेरा जेल यूज करने से त्वचा की रंगत काफी हद तक सुधर सकती है। अगर आप अपनी डल स्किन से छुटकारा पाना चाहते हैं और अपनी स्किन को ग्लोइंग बनाना चाहते हैं, तो हर रोज एलोवेरा जेल का इस्तेमाल करना शुरू कर दीजिए।

दूर हो जाएंगे दाग-धब्बे

क्या आपके चेहरे पर अक्सर दाग-धब्बे या फिर मुंहासे निकल आते हैं? अगर हां, तो आपको अपने स्किन केयर रूटीन में एलोवेरा जेल को जरूर शामिल करना चाहिए। औषधीय गुणों से भरपूर एलोवेरा जेल दाग-धब्बे और मुंहासे की समस्या को दूर करने में असरदार साबित हो सकता है। इसके अलावा एलोवेरा जेल टैनिंग की समस्या से छुटकारा दिलाने में भी कारगर साबित हो सकता है।

त्वचा के लिए वरदान

रेगुलरली एलोवेरा जेल यूज करके झुर्रियों और फाइन लाइन्स को कम किया जा सकता है। जलन और खुजली जैसी स्किन रिलेटेड प्रॉब्लम्स से छुटकारा पाने के लिए भी एलोवेरा जेल का इस्तेमाल किया जा सकता है। एलोवेरा जेल में विटामिन ई और एंटीऑक्सीडेंट्स समेत कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है, जो आपकी त्वचा के लिए वरदान साबित हो सकती है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए ध्यान रहे कि एलोवेरा जेल फ्रेश और केमिकल फ्री होना चाहिए।

दीवार और छत की काई हटाने का आसान तरीका, ये 4 घरेलू नुस्खे हैं फायदेमंद

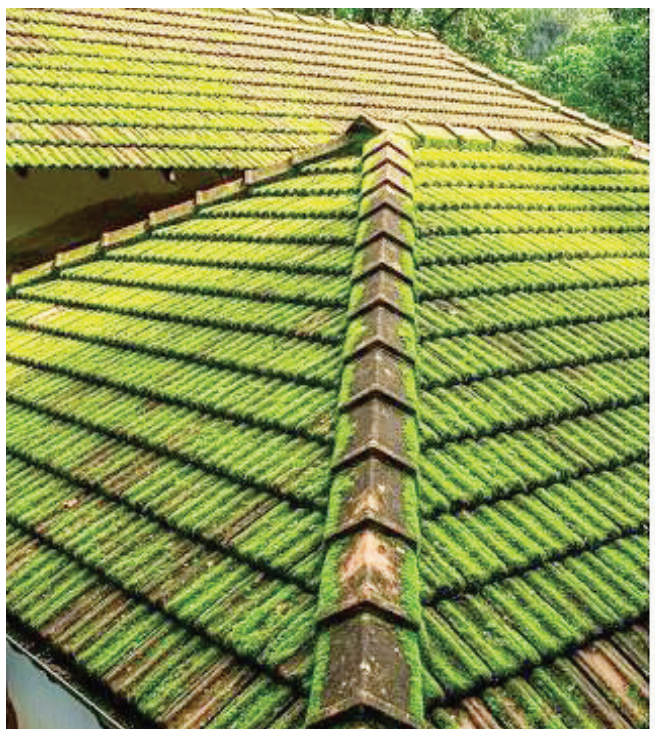

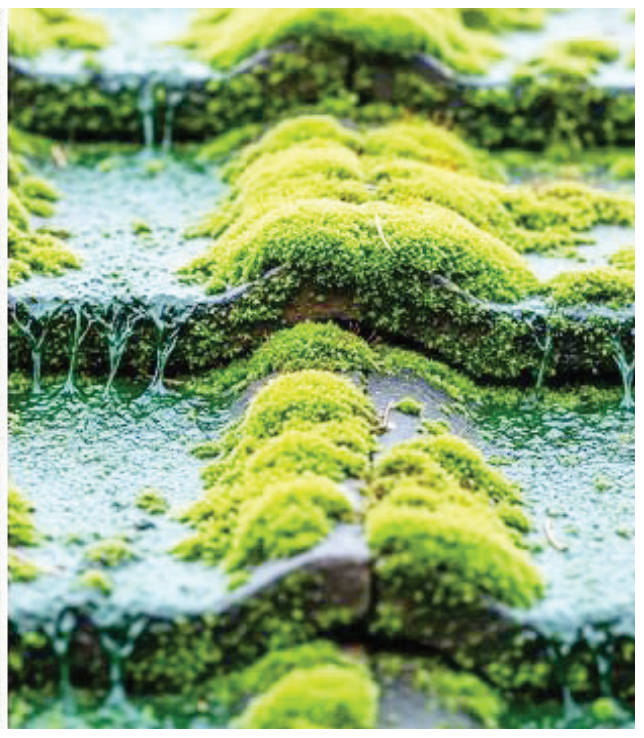

जब बारिश का मौसम आता है तो ठंडी हवा और हरियाली से हर कोई खुश हो जाता है। बारिश की वजह से वातावरण में सुकून और ताजगी भी महसूस होती है। लेकिन कुछ ही दिनों में यही बारिश कई तरह की परेशानियां लेकर आती है। उन परेशानियों में से एक बड़ी समस्या है घर की दीवारों और छतों पर काई लगना। हरे रंग की काई न केवल देखने में खराब लगती है, बल्कि दीवारों को नुकसान भी पहुंचाती है। इसके अलावा काई फिसलन भरी होती है, जिससे गिरने का खतरा भी बढ़ जाता है। अक्सर लोग इस समस्या से निजात पाने के लिए नींबू और नमक का देसी नुस्खा इस्तेमाल करते हैं। लेकिन इसके अलावा भी कुछ और घरेलू उपाय हैं जिनकी मदद से आप घर की दीवारों और छतों की काई आसानी से साफ कर सकते हैं।

नींबू और नमक का देसी नुस्खा

नींबू और नमक का पेस्ट बनाना बहुत आसान है। सबसे पहले एक कटोरे में नींबू का रस लें और उसमें नमक डालकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को सीधे काई वाली जगह पर अच्छी तरह लगाएं। इसे 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें ताकि नींबू का एसिड और नमक का खुरदुरापन काई को ढीला कर सके। अब एक कड़े ब्रश या स्क्रबर की मदद से अच्छी तरह रगड़कर काई को साफ करें। इसके बाद पानी से धो लें। यह तरीका बहुत प्रभावी होता है क्योंकि नींबू का एसिड और नमक मिलकर काई को हटाने में मदद करते हैं।

बेकिंग सोडा और विनेगर का पेस्ट

अगर आप कोई और तरीका अपनाना चाहते हैं तो बेकिंग सोडा और विनेगर का पेस्ट भी बहुत अच्छा काम करता है। इसके लिए बेकिंग सोडा और विनेगर को मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बनाएं। यह पेस्ट लगाने पर झाग बनेगा, जो सामान्य है। इसे काई वाली जगह पर 30 मिनट से 1 घंटे तक लगा रहने दें। फिर एक ब्रश की मदद से रगड़कर पानी से साफ कर लें। विनेगर में मौजूद एसिटिक एसिड और बेकिंग सोडा के क्षारीय गुण मिलकर काई को असरदार तरीके से हटाते हैं।

ब्लीच और पानी का घोल

ब्लीच काई और फंगस को मारने के लिए सबसे तेज़ और असरदार तरीका है। लेकिन इसका इस्तेमाल करते समय सावधानी बरतनी बहुत जरूरी है। एक बाल्टी में 1 हिस्सा ब्लीच और 3-4 हिस्से पानी मिलाकर घोल तैयार करें। इसे स्प्रे की मदद से या ब्रश से काई वाली जगह पर लगाएं। 15-20 मिनट के बाद ब्रश से रगड़कर पानी से धो लें। ध्यान रखें कि ब्लीच लगाते समय दस्ताने और मास्क जरूर पहनें ताकि आपकी त्वचा और सांस सुरक्षित रहे।

टी ट्री ऑयल और पानी का स्प्रे

टी ट्री ऑयल एक प्राकृतिक एंटी-फंगल है, जो हल्की काई के लिए बहुत कारगर है। इसे इस्तेमाल करना भी बहुत आसान है। एक स्प्रे बोतल में एक कप पानी लें और उसमें 10-15 बूंदें टी ट्री ऑयल डालें। इसे अच्छी तरह मिलाएं और फिर इस मिश्रण को काई वाली जगह पर छिड़क दें। छिड़काव के बाद इसे सूखने दें। इस प्रक्रिया में रगड़ने या धोने की जरूरत नहीं होती। टी ट्री ऑयल धीरे-धीरे काई को बढ़ने से रोकता है और खत्म भी कर देता है।

डिटर्जेंट और गर्म पानी

अगर काई मामूली हो तो डिटर्जेंट और गर्म पानी का घोल भी एक आसान और असरदार उपाय है। एक बाल्टी में गर्म पानी लें और उसमें कोई भी लॉन्ड्री डिटर्जेंट या डिशवॉश लिक्विड डालकर घोल बनाएं। इस घोल को काई वाली जगह पर स्प्रे करें या ब्रश से लगाएं। 15-20 मिनट बाद ब्रश से रगड़कर साफ करें और फिर पानी से धो लें। डिटर्जेंट गंदगी और चिकनाई को ढीला करने में मदद करता है, जिससे काई आसानी से हट जाती है।

सावधानियां और सुझाव

काई साफ करते समय हमेशा दस्ताने पहनें ताकि हाथों को नुकसान न पहुंचे।

ब्लीच या विनेगर जैसे तेज़ रसायनों का इस्तेमाल खुली हवा में करें।

अगर दीवारें बहुत ज्यादा खराब हो गई हैं तो पेशेवर मदद लेना बेहतर होता है।

नियमित सफाई से भी काई लगने से बचाव हो सकता है।

बारिश के मौसम में काई की समस्या को नजरअंदाज न करें। ऊपर बताए गए ये घरेलू नुस्खे आजमाकर आप अपने घर की दीवारों और छत को साफ और सुरक्षित रख सकते हैं। इससे आपका घर सुंदर दिखेगा और गिरने-फिसलने का खतरा भी कम होगा।

अलसी है बालों के लिए बेहद फायदेमंद

एक साथ देती है कई फायदे, बस जान लें इस्तेमाल का सही तरीका

अगर आप तेज़ी से बाल बढ़ाना चाहते हैं, तो अलसी के बीज आपके लिए कमाल कर सकते हैं। इनमें विटामिन बी, मैग्नीशियम, मैंगनीज, सेलेनियम और ओमेगा 3 फैटी एसिड होते हैं। ये सभी पोषक तत्व बालों को झड़ने से रोकते हैं और उन्हें बढ़ने में मदद करते हैं।

अलसी है बालों के लिए बेहद फायदेमंद

अगर आप तेजी से बाल बढ़ाना चाहते हैं, तो अलसी के बीज आपके लिए कमाल कर सकते हैं। इनमें विटामिन बी, मैग्नीशियम, मैंगनीज, सेलेनियम और ओमेगा 3 फैटी एसिड होते हैं। ये सभी पोषक तत्व बालों को झड़ने से रोकते हैं और उन्हें बढ़ने में मदद करते हैं। सबसे खास बात, अलसी के बीजों से बना जेल बालों की कोशिकाओं को खोलकर उनके विकास को बढ़ावा देता है। आइए, जानते हैं इसके फ़ायदे और इसे बनाने का तरीका।

बालों के लिए अलसी के जेल के फ़ायदे

झड़ते बालों में फ़ायदेमंद : अलसी के बीज विटामिन ई का एक बड़ा स्रोत हैं, जो बालों के विकास में मदद करता है। इसके एंटीऑक्सीडेंट गुण बालों को झड़ने से रोकते हैं और स्कैल्प को नुकसान से बचाते हैं।

बालों को पोषण देता है : अलसी ओमेगा 3 फैटी एसिड से भरपूर होती है। ये फैटी एसिड बालों के विकास को बढ़ावा देते हैं। सबसे पहले, ये फैटी एसिड बालों के रोमछिद्रों को पोषण देते हैं और प्रदूषण से होने वाले नुकसान से बचाते हैं। इससे बाल कम खराब होते हैं और स्वस्थ रहते हैं। पीएच स्तर को संतुलित रखता है : तेजी से बाल बढ़ाने के लिए स्कैल्प के पीएच स्तर को संतुलित रखना बहुत जरूरी है। अलसी का जेल इसमें आपकी मदद कर सकता है और स्कैल्प को शांत करता है। यह तेल बनाने वाली ग्रंथियों को प्रभावित करता है, जिससे सही मात्रा में तेल बनता है और बाल स्वस्थ रहते हैं। इससे बाल तेजी से बढ़ने लगते हैं।

अलसी का जेल कैसे बनाएं?

बालों के लिए अलसी का यह जेल आप आसानी से घर पर बना सकते हैं। बस इन बातों का ध्यान रखें। एक बर्तन में 2 कप साफ़ पानी और आधा कप अलसी के बीज डालकर, गाढ़ा होने तक उबालें। जब यह गाढ़ा होने लगे, तो 1-2 टेबलस्पून नींबू का रस डालकर अच्छी तरह मिला लें। जब यह जेल जैसा दिखने लगे, तो आंच बंद कर दें और इसे ठंडा होने दें। ठंडा होने पर यह और गाढ़ा हो जाएगा। ठंडा होने के बाद, आप इस जेल को एक कंटेनर में स्टोर कर सकते हैं। इस अलसी के हेयर जेल को बालों में लगाएं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जम्मू-कश्मीर में 10 दिनों में हुए दो आतंकी हमले

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में 10 दिनों के भीतर दो स्थानों पर हुए आतंकी हमलों में सुरक्षाबल के एक जवान और छत्तीसगढ़ के दो प्रवासी मजदूरों समेत तीन लोगों की जान चली गई। कुलगाम में ईंट भट्ठे पर काम करने वाले मजदूरों की हत्या के पीछे सुरक्षाबलों को एक ही बचे स्थानीय आतंकवादी मोहम्मद लतीफ भट का हाथ होने का संदेह है। सुरक्षा रिकॉर्ड के अनुसार, घाटी में अब लतीफ भट ही एकमात्र जीवित स्थानीय आतंकी बचा है, जो कुलगाम का ही रहने वाला है। इसके अलावा अमरनाथ यात्रा के दौरान 22 जुलाई को एक हेड कॉन्स्टेबल की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। सीआरपीएफ और पुलिस फाइलों में खूंखार आतंकी के रूप में दर्ज भट के अलावा घाटी में 40 से 50 पाकिस्तानी यानी विदेशी आतंकवादियों के छिपे होने की आशंका है। सुरक्षा एजेंसियों के आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि घाटी में स्थानीय आतंकवाद अब समाप्ति के कगार पर है। पांच साल पहले जांच में 50 से 60 स्थानीय आतंकियों के होने का पता चला था, जो पिछले साल मई तक घटकर 17 रह गए थे। एनआईए और सुरक्षा एजेंसियों की लगातार सख्ती, नार्को टेररिज्म पर कार्रवाई और आतंकी फंडिंग की कमर तोड़े जाने से अब पाकिस्तानी आतंकी स्थानीय युवाओं को बरगलाने में नाकाम साबित हो रहे हैं, जिससे नई भर्तियों पर पूरी तरह रोक लग गई है। अधिकारियों के अनुसार, बीते 8 जुलाई को अनंतनाग में चलाए गए एक संयुक्त ऑपरेशन शेरोवाली के दौरान लश्कर आतंकी जाकिर अहमद गनेई मारा गया था, जबकि उसका साथी लतीफ भट भागने में सफल रहा। गनेई और भट दोनों कुलगाम के ही निवासी थे और अमरनाथ यात्रा को निशाना बनाने की साजिश रच रहे थे। 22 जुलाई को हुई हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन की शहादत और प्रवासी मजदूरों की हत्या के तरीकों में गहरी समानताएं पाई गई हैं। दोनों घटनाओं में हमलावरों ने टोपी पहन रखी थी और उनके हाथों में गनी बैग देखा गया था। भट ने वर्ष 2025 में घर छोड़कर केआरए का दामन थामा था, जो लश्कर और द रेजिस्टेंस फ्रंट से जुड़ा संगठन है। फिलहाल सुरक्षाबल इस अंतिम स्थानीय आतंकी का सफाया करने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चला रहे हैं।

पुंछ में दो जंग लगे मोर्टार गोले बरामद, सेना ने सुरक्षित उड़ाया

पुंछ। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में दो गांवों से जंग लगे दो मोर्टार गोले बरामद हुए, जिन्हें सेना के बम निरोधक दस्ते ने सुरक्षित तरीके से नष्ट किया। अधिकारियों ने बताया कि पहला गोला मनकोट क्षेत्र में छज्जला पुल के पास खुले मैदान में ग्रामीणों को मिला। तुरंत पुलिस और सुरक्षा बलों को सूचित किया गया, जिन्होंने मौके पर पहुंचकर पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर दी। इसके बाद सेना के बम निरोधक दस्ते ने सभी सुरक्षा नियमों का पालन कर नियंत्रित विस्फोट के जरिए नष्ट कर दिया। वहीं, दूसरा निष्क्रिय मोर्टार गोला मेंढर नाले के पास अधकी गांव के खेतों में मिला, जिसे विशेषज्ञों ने सुरक्षित रूप से निष्क्रिय कर दिया। अधिकारियों का अनुमान है कि ये विस्फोटक संभवतः नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर पहले हुई सीमा-पार गोलाबारी के दौरान फटे नहीं और निष्क्रिय पड़े रहे है।

असम में किशोरी से बर्बरता-रेप के बाद हत्या, इलाका स्तब्ध

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के हैलाकांडी जिले में 15 वर्षीय किशोरी की बर्बरतापूर्ण हत्या ने पूरे इलाके को स्तब्ध किया है। अलोईचारा इलाके में हुई यह दिल दहला देने वाली घटना तब हुई, जब बच्ची घर पर अकेली थी। परिजनों ने दावा किया है कि हमलावरों ने हत्या से पहले बच्ची के साथ यौन उत्पीड़न किया और फिर उसकी बेरहमी से जान ले ली। इस खौफनाक वारदात ने लोगों के बीच गहरा आक्रोश पैदा कर दिया है। जब परिजन पास के रिश्तेदार के घर एक दावत से देर रात लौटे, तब उन्होंने अपने कमरे के फर्श पर अपनी बेटी का क्षत-विक्षत शव पड़ा देखा। बच्ची की हालत इतनी भयानक थी कि पहचानना भी मुश्किल हो रहा था। दरिंदों ने बच्ची का सिर और चेहरा किसी भारी वस्तु से पूरी तरह कुचल दिया था। इसके साथ ही, हैवानियत की सारी हदें पार करते हुए उसके प्राइवेट पार्ट में लोहे की रॉड डाल दी गई थी, जिससे परिवार और पूरा समाज सदमे में है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, बच्ची शनिवार रात करीब 11 बजे अपने एक कजिन भाई से किसी बात पर बहस होने के बाद दावत छोड़कर अकेली अपने घर वापस आ गई थी। इसी बीच यह अमानवीय घटना घटित हुई। इस जघन्य अपराध के बाद पूरे हैलाकांडी जिले में तनाव का माहौल है। रविवार सुबह सैकड़ों की संख्या में आक्रोशित ग्रामीणों और प्रदर्शनकारियों ने नेशनल हाइवे (एनएच-6) पर सड़क जाम कर दिया। वे दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और उन्हें फांसी की सजा दिए जाने की मांग कर रहे थे, जिसके चलते पुलिस-प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की गई।

कंगना रनौत का नया वीडियो : हां, मुझे संघी बनना है

-इंडस्ट्री की दोहरी सोच पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने हाल ही में वीडियो साझा कर अपने आलोचकों को जवाब दिया है। वीडियो में कंगना ने स्पष्ट कहा है कि हां, मुझे संघी बनना है और उन्हें बीजेपी व आरएसएस की विचारधारा से प्रेरित जागरूक हिंदू बनने की इच्छा है। अपनी पुरानी छवि पर उठते सवालों का जवाब देकर कंगना

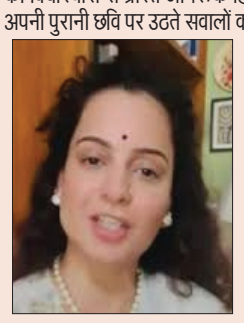

ने कहा कि वे कभी मॉडरेट हिंदू थीं, लेकिन अब जागरूक हिंदू बनना चाहती हैं। आलोचकों पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा, मुझपर तंज किया जाता है कि तुम कब से संघी बन गई? हां, मुझे संघी बनना है ज्मुझे कन्वर्ट होना है। मैं क्यों नहीं कन्वर्ट हो सकती? उन्होंने पुराने वीडियो को लेकर हो रही आलोचनाओं पर भी जवाब दिया, यह कहते हुए कि उन्हें अपनी पहचान बदलने का पूरा हक है। वीडियो में कंगना ने फिल्म इंडस्ट्री की हिंदू अभिनेत्री पर भी निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि कई हिंदू लड़कियां पहले राजनीति या धर्म को लेकर तटस्थ रहती हैं, लेकिन जैसे ही वे किसी इस्लामी के साथ रिश्ते में आती हैं, उनकी सोच कट्टरपंथी लेफ्टिस्ट बन जाती है। कंगना ने ऐसी सोच को दोगला बताकर सवाल किया कि जब संविधान सबको अपनी पसंद का धर्म या विचारधारा चुनने की आजादी देता है, तब हिंदू लड़कियों के चुनाव पर सवाल क्यों उठते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, कंगना ने यह तंज कथित तौर पर बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा पर कसा है, जिन्होंने बीते दिनों सीजेपी आंदोलन का समर्थन किया था। इससे पहले कंगना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर बिना नाम लिए सोनाक्षी सिन्हा पर भी हमला बोला था।

दिल्ली के बाद अब झारखंड में जंतर-मंतर जैसी लामबंदी

छात्रों का अनिश्चितकालीन अनशन और मशाल जुलूस

रांची (एजेंसी)। दिल्ली में भले ही छात्र आंदोलन शांत हो गया हो, लेकिन झारखंड की राजधानी रांची में छात्रों का गुस्सा अब जंतर-मंतर जैसी लामबंदी का रूप ले चुका है। कचहरी चौक स्थित जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में भारी संख्या में छात्र-छात्राएं एकजुट हो रहे हैं। जेपीएससी और जेएसएससी रिफॉर्म्स मंच के बैनर तले जारी इस आंदोलन को सोशल मीडिया पर भी जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। सोनम वांगचुक के अनशन की तर्ज पर अब छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने अपनी मांगों के समर्थन में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी है।

रविवार को दिनभर चले प्रदर्शन के बाद शाम को बड़ी संख्या में छात्रों ने जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से अल्बर्ट एक्का चौक तक विशाल मशाल जुलूस निकाला। प्रदर्शनकारी छात्र हाथों में मशालें थामे और शरीर पर बैनर-पोस्टर चिपकाए हुए थे। पूरे रास्ते छात्रों

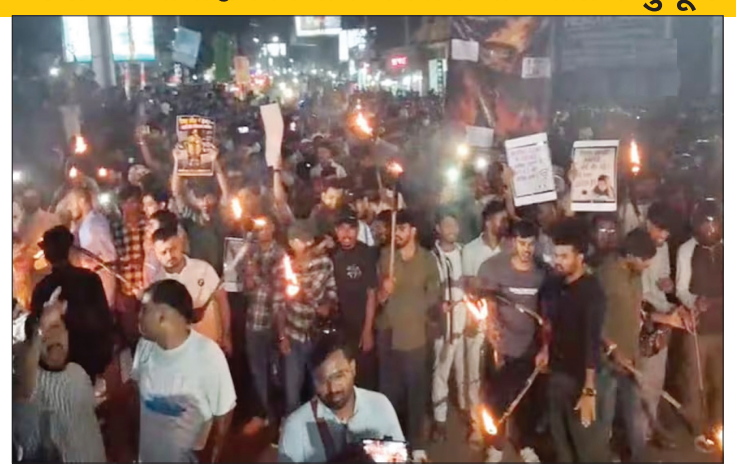

ने परीक्षाओं में हो रही धांधली के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। छात्रों का सीधा आरोप है कि राज्य सरकार लंबे समय से पेपर लीक और परीक्षा घोटालों के संवेदनशील मुद्दों पर गंभीरता नहीं दिखा रही है। छात्रों की मुख्य मांग है कि जिन जेएसएससी परीक्षाओं पर अनियमितता और गड़बड़ी के आरोप लगे हैं, उन्हें तत्काल रद्द किया जाए। इसके अलावा टीडीपीएल कंपनी, अभय तिवारी और विवादित एजेंसियों से जुड़े परीक्षा मामलों की निष्पक्ष सीबीआई जांच कराई जाए। साथ ही 14वीं जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा को रद्द कर पूरी चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता लाई जाए और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। सत्याग्रह के नौवें दिन अनशन पर बैठे छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि विवादित 14वीं जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम जारी हुए एक महीना बीत चुका है, लेकिन सरकार की ओर से कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। इससे अभ्यर्थियों में निराशा और आक्रोश बढ़ता जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्र हितों को लेकर राज्य सरकार की मंशा में खोट है। देवेंद्र ने स्पष्ट किया कि जब तक सभी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, तब तक यह सत्याग्रह और भूख हड़ताल जारी रहेगी।

हिंदू संगठन ने सांसद पप्पू यादव का पुतला फूंका, सदस्यता खत्म करने की मांग

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी में पूर्णिया सांसद पप्पू यादव के पुतले फूंके गए। विश्व हिंदू रक्षा परिषद के कार्यकर्ताओं ने उनके खिलाफ जमकर नारेबाजी की। संगठन ने संसद परिसर में साधु-संतों और सनातन धर्म का अपमान करने का आरोप लगाते हुए उनकी सदस्यता खत्म करने और गिरफ्तारी की मांग की। इस मांग को लेकर डीएम के जरिए ज्ञापन सौंपा जाएगा। संगठन ने चेतावनी दी कि कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन तेज किया जाएगा। विश्व हिंदू रक्षा परिषद के विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि पप्पू यादव ने भगवान राम की तस्वीर और सनातन का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि संगठन डीएम को ज्ञापन देने के साथ जल्द ही थाने में तहरीर देकर एफआईआर दर्ज कराने की मांग करेगा।

दो साल बाद सार्वजनिक रूप से सामने आएंगी शेख हसीना

-5 अगस्त को वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस को करेंगी संबोधित

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना लगभग दो साल के लंबे अंतराल के बाद एक बार फिर सार्वजनिक रूप से दुनिया के सामने आने जा रही हैं। वह 5 अगस्त 2026 को नई दिल्ली स्थित फॉरेन कॉरेस्पॉन्डेंट्स क्लब ऑफ साउथ एशिया के सर मार्क टुली ऑडिटोरियम में आयोजित होने वाली एक वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करेंगी। यह कार्यक्रम शाम 6 बजे से 7:30 बजे तक चलेगा और इसे क्लब के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लाइव प्रसारित किया जाएगा। यह तारीख इसलिए भी बेहद खास है क्योंकि ठीक दो साल पहले, 5 अगस्त 2024 को देशव्यापी हिंसक छात्र आंदोलन के बीच उन्हें बांग्लादेश छोड़कर भारत शरण लेनी पड़ी थी।

इस बहुप्रतीक्षित प्रेस कॉन्फ्रेंस में शेख हसीना द्वारा अगस्त 2024 के छात्र आंदोलन, अपनी सरकार के पतन और बांग्लादेश के मौजूदा राजनीतिक हालात पर खुलकर विचार व्यक्त करने की संभावना है। इसके साथ ही वह वर्तमान बांग्लादेश सरकार की नीतियों की कड़ी आलोचना कर सकती हैं। सूत्रों के अनुसार, शेख हसीना दिसंबर 2026 के आसपास अपनी स्वेच्छा से बांग्लादेश वापस लौटने की भावी योजनाओं का खुलासा कर सकती हैं, जहाँ वह अदालत के समक्ष प्रस्तुत होकर अपनी पार्टी अवामी लीग पर लगाए गए प्रतिबंधों को कानूनी रूप से चुनौती देने की रणनीति साझा करेंगी।

उल्लेखनीय है कि 5 अगस्त 2024 को लाखों प्रदर्शनकारियों द्वारा प्रधानमंत्री आवास का घेराव करने के बाद सैन्य सलाह पर इस्तीफा देकर शेख हसीना अपनी बहन शेख रेहाना के साथ सैन्य विमान से गाजियाबाद के हिंडन एयरबेस पहुंची थीं और तब से वे भारत में कड़ी सुरक्षा के बीच रह रही हैं। इस बीच, बांग्लादेश के युद्ध अपराध न्यायाधिकरण ने नवंबर 2025 में छात्र आंदोलन के दौरान हुई हिंसा के मामले में उनकी अनुपस्थिति में उन्हें मौत की सजा सुनाई थी, जिसे शेख हसीना ने पूरी तरह असंवैधानिक और राजनीति से प्रेरित करार देकर खारिज कर दिया है। बांग्लादेश सरकार द्वारा भारत से उनके प्रत्यर्पण की मांग भी की गई है, जिस पर भारतीय विदेश मंत्रालय द्विपक्षीय कानूनी संधियों के तहत समीक्षा कर रहा है। दो साल के मौन के बाद होने जा रही शेख हसीना की इस पहली सार्वजनिक उपस्थिति और प्रेस कॉन्फ्रेंस पर पूरी दुनिया की निगाहें टिकी हुई हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय यह देखने के लिए उत्सुक है कि वह बांग्लादेश के मौजूदा राजनीतिक संकट, अपनी स्वदेश वापसी और अपने भावी राजनीतिक कदमों को लेकर क्या नया संदेश देती हैं।

राजनीति नहीं, गांव की सेवा करना चाहते हैं अभिजीत दीपके

विधायक या सांसद बनने का नहीं है लक्ष्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में हाल ही में हुए विशाल छात्र आंदोलन की अगुवाई करने वाले अभिजीत दीपके ने स्पष्ट किया है कि उनकी कोई राजनीतिक महत्वाकांक्षा नहीं है और वे किसी मुख्यधारा की राजनीति में शामिल नहीं होना चाहते। हालांकि, वे अपने गृह गांव के विकास के लिए जमीनी स्तर पर काम करने के इच्छुक हैं। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब देश के बड़े नेता और मंत्री उनसे लगातार मुलाकात करने पहुंच रहे हैं। अमेरिका में अपनी पढ़ाई के दौरान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की शुरुआत करने वाले दीपके का कहना है कि अगर उन्हें राजनीति करनी होती तो वे उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका नहीं जाते।

अभिजीत दीपके महाराष्ट्र के हिंगोली जिले में स्थित अपने गांव सांतुक पिंपरी के सरपंच बनकर गांव की सूरत बदलना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि

वे हर साल गर्मियों में दो-तीन महीने अपने गांव में बिताते हैं। अच्छी शिक्षा प्राप्त करने के बावजूद उन्होंने देखा कि उनके रिश्तेदारों के बच्चे आज भी टूटे-फूटे स्कूलों में बैठकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं। इसी स्थिति को बदलने के लिए वे अपने गांव में बेहतर स्कूल, सड़कें, नालियां और एक आधुनिक अस्पताल बनवाना चाहते हैं। भविष्य की योजनाओं पर चर्चा करते हुए सीजेपी के संस्थापक दीपके ने बताया कि वे और उनके वॉलंटियर्स का समूह मिलकर एक पॉलिटिकल प्रेशर ग्रुप (राजनीतिक दबाव समूह) की तरह काम करेगा। उनका मानना है कि लोकतंत्र में जितने ज्यादा दबाव समूह होंगे, जनता के मुद्दों को उतनी ही मजबूती मिलेगी। वे चाहते हैं कि समय के साथ नए युवा सामने आएं और जनहित के आंदोलनों को आगे बढ़ाएं।

इस बीच, दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट प्रश्नपत्र लीक के विरोध में एक महीने तक चले आंदोलन के बाद संगठन अब अपनी अगली रणनीति तय करने में जुट गया है। आगामी 5 अगस्त को महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर स्थित दीपके के आवास पर सीजेपी के प्रमुख सदस्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक होने जा रही है। इस बैठक में देशभर के कार्यकर्ताओं और विद्यार्थियों से मिले सुझावों पर गहन मंथन किया जाएगा। बैठक के बाद आयोजित होने वाली प्रेसवार्ता में संगठन की भविष्य की कार्ययोजना और आगे की रणनीति की औपचारिक घोषणा की जाएगी।

तमिलनाडु सरकार ने कर्नाटक सीएम डीके शिवकुमार पर साधा निशाना

-कावेरी जल विवाद पर बातचीत टली

चेन्नई (एजेंसी)। कावेरी जल विवाद को लेकर तमिलनाडु और कर्नाटक के बीच सीधी बातचीत के जरिए समाधान की कोशिश अब तीखी राजनीतिक बहसबाजी में बदल गई है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय द्वारा कर्नाटक के साथ सीधे संवाद की पहल टलने के बाद, तमिलनाडु सरकार के वरिष्ठ मंत्री और प्रमुख प्रवक्ता आर निर्मल कुमार ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि डीके शिवकुमार अपनी पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व की सुनने के बजाय तमिलनाडु के मुख्य विपक्षी दल डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन के इशारों पर काम कर रहे हैं।

पत्रकारों से बातचीत में निर्मल कुमार ने कहा कि अगर स्टालिन या उनका परिवार कुछ कहता है, तो कर्नाटक के मुख्यमंत्री उसे तुरंत मान लेते हैं, क्योंकि दोनों के बीच का रिश्ता बेहद मजबूत है।

मंत्री का यह बयान सरकार का आधिकारिक रुख माना जा रहा है। इससे यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि तमिलनाडु सरकार अब आपसी बातचीत को विकल्प नहीं मान रही है और कावेरी जल विवाद का निपटारा एक बार फिर अदालतों तथा ट्रिब्यूनल के फैसलों पर ही निर्भर रहेगा। दरअसल, पिछले हफ्ते मुख्यमंत्री विजय ने कावेरी मुद्दे पर शिवकुमार से मुलाकात की पेशकश की थी। हालांकि, कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण के आदेशों के खिलाफ कर्नाटक में हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद यह प्रस्तावित बैठक स्थगित कर दी गई। टीवीके के रणनीतिकारों का मानना है कि बातचीत की इस पहल से सरकार को कोई राजनीतिक फायदा नहीं हुआ, इसलिए अब सॉफ्ट अप्रोच छोड़कर आक्रामक रुख अपनाने का फैसला किया गया है। निर्मल कुमार ने मुख्य विपक्षी दलों डीएमके और एआईएडीएमके की नीयत पर भी सवाल उठाते हुए पूछा कि बीते 5 वर्षों में सत्ता में रहते हुए डीएमके ने कावेरी मुद्दे पर प्रभावी कानूनी कदम क्यों नहीं उठाए।

क्या है विवाद?

कावेरी नदी के जल बंटवारे की शर्तें दोनों राज्यों के बीच पहले से तय हैं, लेकिन कम बारिश के कारण उत्पन्न जल संकट की वजह से कर्नाटक तय हिस्से का पानी छोड़ने में असमर्थता जता रहा है। इसके अलावा, कर्नाटक सरकार मेकेदातू में बेंगलुरु के लिए पेयजल आपूर्ति हेतु विशाल बांध बनाना चाहती है। तमिलनाडु इस परियोजना का कड़ा विरोध कर रहा है, क्योंकि उसका मानना है कि बांध बनने से नदी के निचले हिस्से में पानी का प्रवाह कर्नाटक के नियंत्रण में आ जाएगा, जिससे तमिलनाडु के डेल्टा क्षेत्र के लाखों किसानों की आजीविका और खेती पूरी तरह तबाह हो जाएगी।

सपा का राम मंदिर चढ़ावा, नीट लीक और अन्य मुद्दों पर जोरदार प्रदर्शन

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश विधानमंडल के मानसून सत्र की शुरुआत से पहले सोमवार को मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायकों और विधान परिषद सदस्यों ने विधान भवन परिसर में जमकर हंगामा किया। सपा ने अयोध्या के राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी और राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्नपत्र लीक सहित कई गंभीर मुद्दों पर योगी सरकार की घेराबंदी की।

विधानसभा में चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के सामने बड़ी संख्या में सपा सदस्यों ने तख्तियां, बैनर और पोस्टर लेकर अपना विरोध जताया। प्रदर्शन के दौरान, सपा सदस्यों ने राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी, बीते दस वर्षों में 26 हजार से अधिक सरकारी विद्यालयों को बंद करने, नीट पेपर लीक, बिगड़ती कानून-व्यवस्था और विभिन्न जनसरोकारों से जुड़े मुद्दे उठाए। कुछ सदस्यों ने विरोध के प्रतीकात्मक रूप से अपने सिर पर 'चंदा पेटिका' लिखे दानपात्र भी रखे थे।

सपा विधायक रागिनी सोनकर ने आरोप लगाया कि बीजेपी की ''डबल इंजन'' सरकार ने प्रदेश में 26 हजार से अधिक सरकारी विद्यालय बंद किए हैं, जिससे 18 हजार बेटियों को अपनी पढ़ाई

छोड़नी पड़ी है। उन्होंने भाजपा पर केवल ''जुमलेबाजी'' करने और लोगों की आस्था से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। सपा विधायक अतुल प्रधान ने भाजपा पर राम मंदिर चढ़ावे की चोरी जैसा ''पाप'' करने का आरोप लगाकर कहा कि एसआईटी रिपोर्ट सौंपे जाने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। सिर पर दानपात्र रखे प्रधान ने कहा, ''आज हम यहां चंदा चोरों के खिलाफ अभियान लेकर आए हैं।'' इस दौरान ''चंदा चोरों, गद्दी छोड़ो'' के नारे लगाए गए।

सपा सदस्य कमाल अख्तर ने बेरोजगारी, लगातार प्रश्नपत्र लीक होने, किसानों को खाद न मिलने, राज्य में बाढ़ के गंभीर हालात और बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं जैसे मुद्दों को उठाया। उन्होंने सरकार पर जनता और विपक्ष के सवालों से बचने के लिए सत्र की अवधि कम करने का आरोप लगाया। तीन से छह अगस्त तक चलने वाले इस सत्र को आगामी विधानसभा चुनावों से पहले संभवतः अंतिम सत्र माना जा रहा है, जिसमें सरकार चार अगस्त को पहला अनुपूरक बजट प्रस्तुत करेगी।

छात्रों पर लाठीचार्ज और पैलेट गन के इस्तेमाल की कार्रवाई पर स्पष्टीकरण दें अमित शाह

-'इंडिया' गठबंधन की बैठक के बाद खड़गे ने एक्स पर पोस्ट कर कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को संसद में आकर प्रदर्शनकारी छात्रों पर लाठीचार्ज और पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर स्पष्टीकरण देना चाहिए। खड़गे ने यह भी कहा कि पीएम मोदी को बताना चाहिए कि राम मंदिर में चढ़ावे की ''चोरी'' कैसे हुई। खड़गे ने संसद भवन स्थित अपने कक्ष में 'इंडिया' गठबंधन में शामिल दलों के नेताओं की बैठक के बाद एक्स पर पोस्ट किया, ''मोदी सरकार को 'इंडिया' को जवाब देना होगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गृह मंत्री संसद में आएं और छात्रों पर लाठीचार्ज और पैलेट गन के इस्तेमाल की कार्रवाई पर स्पष्टीकरण दें। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी यह बताएं कि राम मंदिर को

श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाया गया चंदा और चढ़ावा कैसे चोरी हो गया, जबकि ट्रस्ट प्रधानमंत्री की निगरानी में था। विपक्ष बीते 20 जुलाई को प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई को लेकर गृह मंत्री से संसद में बयान देने की मांग कर रहा है। विपक्ष ने इस मुद्दे पर अमित शाह के इस्तीफे की भी मांग की है। विपक्षी दलों की बैठक में खड़गे के अलावा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश और के सी वेणुगोपाल, सपा सांसद धर्मेंद्र यादव, टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा और सागरिका घोष, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) की सुप्रिया सुले, शिवसेना (यूबीटी) के संजय राउत और अरविंद सावंत, झारखंड मुक्ति मोर्चा की महुआ माजी, माकपा के जॉन ब्रिटास और कई अन्य नेता शामिल हुए।

मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी की सुरक्षा बढ़ी, अब बुलेटप्रूफ वाहन का करेंगे इस्तेमाल

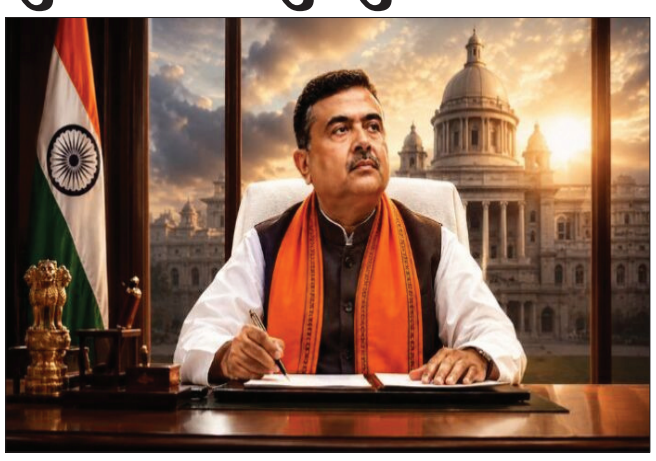

-जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े दो संदिग्धों की गिरफ्तारी के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

-मुख्यमंत्री की गतिविधियों से जुड़े दस्तावेज बरामद होने का दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता,(ईएमएस)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी की सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त कर दिया गया है। आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से कथित खतरे की सूचना और हाल ही में हुई गिरफ्तारियों के बाद मुख्यमंत्री ने बुलेटप्रूफ वाहन का नियमित रूप से उपयोग शुरू कर दिया है। यह जानकारी मीडिया रिपोर्ट में पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) से जुड़े सूत्रों के हवाले से सामने आई है।

एसटीएफ ने हाल ही में जैश-ए-मोहम्मद से कथित रूप से जुड़े संदिग्ध हमीम मंडल और उसकी सहयोगी अर्पिता सरकार को गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसियों के अनुसार, दोनों के पाकिस्तान स्थित कथित आतंकी-अपराधी नेटवर्क शहजाद भट्टी नेटवर्क (एसबीएन) से भी संबंध होने की बात सामने आई है। हमीम मंडल को पूर्वी बर्दवान जिले के बर्दवान शहर से गिरफ्तार किया गया था। जांच के दौरान उसके पास से मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के दैनिक कार्यक्रम और आवाजाही से जुड़े कुछ दस्तावेज मिलने का दावा किया गया है, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियां और अधिक सतर्क हो गई हैं।

सूत्रों के मुताबिक मुख्यमंत्री ने रविवार शाम से नई बुलेटप्रूफ गाड़ी का उपयोग शुरू कर दिया। उन्होंने पूर्वी मिदनापुर जिले के कांथी स्थित अपने पैतृक निवास से कोलकाता तक की यात्रा इसी वाहन से की। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इस वर्ष की शुरुआत में मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद से ही उनके काफिले में एक बुलेटप्रूफ वाहन शामिल कर दिया गया था। हालांकि, मुख्यमंत्री आम लोगों से सहज संपर्क बनाए रखने के उद्देश्य से सामान्य वाहन में यात्रा करना अधिक पसंद करते थे। लेकिन मौजूदा सुरक्षा परिस्थितियों और संभावित खतरे को देखते हुए अधिकारियों ने उन्हें बुलेटप्रूफ वाहन का नियमित उपयोग करने की सलाह दी है।

गौरतलब है कि 6 मई को मुख्यमंत्री के करीबी सहयोगी चंद्रनाथ रथ की उत्तर 24 परगना जिले के मध्यमग्राम में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हमलावरों ने उनकी कार को रोककर नजदीक से फायरिंग की थी, जिसमें उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी। इस घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने मुख्यमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए अतिरिक्त एहतियाती कदम उठाने की सिफारिश की थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

जापान में मूल आबादी पहली बार 12 करोड़ से नीचे, घटती जन्मदर चुनौती

टोक्यो, एजेंसी। जापान में रहने वाले मूल जापानी नागरिकों की संख्या 42 वर्षों में पहली बार 12 करोड़ से नीचे आ गई है। देश लगातार घटती जन्मदर, तेजी से बढ़ती बुजुर्ग आबादी और श्रमिकों की कमी जैसी गंभीर जनसांख्यिकीय चुनौतियों का सामना कर रहा है। वहीं, विदेशी नागरिकों की संख्या रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है, जो अर्थव्यवस्था की श्रम जरूरतों को पूरा करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। जापान टाइम्स के अनुसार, जापान के आंतरिक मामलों और संचार मंत्रालय के ताजा आंकड़ों में बताया गया है कि एक जनवरी 2026 तक देश में रहने वाले मूल जापानी नागरिकों की आबादी घटकर 11.974 करोड़ रह गई। यह पिछले वर्ष की तुलना में 0.76 प्रतिशत कम है और 1984 के बाद पहली बार यह संख्या 12 करोड़ से नीचे पहुंची है। वर्ष 2009 में आबादी के उच्चतम स्तर पर पहुंचने के बाद से जापानी नागरिकों की संख्या लगातार 17 वर्षों से घट रही है।

श्रीलंका जेल संघर्ष : एक कैदी की मौत, सात घायल

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका की महारा जेल में कैदियों के बीच संघर्ष हुआ। पुलिस ने बताया कि इसमें एक कैदी की मौत हो गई और सात घायल हो गए। सुरक्षा बढ़ा दी गई और विशेष पुलिस बल तैनात किया गया। जुलाई की शुरुआत में नेगोंबो जेल में भी ऐसा ही संघर्ष हुआ था, जिसमें 33 लोग मारे गए थे।

कोलंबिया में पुलिस अड्डे पर हमला : ईएलएन पर आरोप, 11 अधिकारी घायल

बोगोटा, एजेंसी। एक अगस्त को एक पुलिस अड्डे के बाहर हुए विस्फोट में 11 अधिकारी घायल हुए और एक पुलिस कुत्ता मारा गया। सरकार ने इस हमले के लिए नेशनल लिबरेशन आर्मी (ईएलएन) को दोषी ठहराया। यह हमला कुकुटा में हुआ, जो कोलंबिया-वेनेजुएला सीमा पर है। जनरल विलियम रिंकोन ने इसे 'घिनौना आतंकवादी हमला' बताया। रक्षा मंत्री पेड्रो सांचेज ने जानकारी देने वाले को 60,000 अमेरिकी डॉलर का इनाम देने की पेशकश की। नए राष्ट्रपति एबेलार्डो दे ला एस्प्रीला शांति वार्ता रद्द करने का वादा कर चुके हैं। ईएलएन दशकों से कोलंबिया सरकार से लड़ रहा है।

ट्रेडर्स अब पैसे देकर पहले देख सकेंगे ट्रम्प के पोस्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सोशल मीडिया कंपनी ट्रुथ सोशल ने वॉल स्ट्रीट के हाई-फ्रीक्वेंसी ट्रेडर्स के लिए ट्रुथ एपीआई नाम की पेड सर्विस शुरू की है। इसके तहत कस्टमर मंथली फीस देकर ट्रम्प और दूसरे अकाउंट्स के पोस्ट तक तेज तकनीकी पहुंच हासिल कर सकेंगे, ताकि वे बाजार में तेजी से ट्रेड कर सकें। आलोचकों का कहना है कि ट्रम्प के टैरिफ, युद्ध, ब्याज दर और दूसरे नीतिगत फैसलों से शेयर, बॉन्ड और मुद्रा बाजार प्रभावित होते हैं, ऐसे में यह व्यवस्था इनसाइडर ट्रेडिंग और सार्वजनिक पद के निजी लाभ के लिए इस्तेमाल जैसे गंभीर सवाल खड़े करती है। वहीं ट्रम्प मीडिया का कहना है कि पोस्ट सभी के लिए एक ही समय पर जारी किए जाएंगे और सर्विस में कोई अनुचित लाभ नहीं है।

ट्रम्प बोले- ईरान पर हमला फिलहाल टाला

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान पर प्रस्तावित सैन्य हमला फिलहाल टाल दिया गया है। उनके मुताबिक, ईरान और कुछ मिडिल ईस्ट देशों की ओर से समझौते का प्रस्ताव आने के बाद यह फैसला लिया गया। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दावा किया कि अमेरिका ईरान पर बड़े सैन्य हमले के लिए पूरी तरह तैयार था। उन्होंने दावा किया कि समझौते की रूपरेखा पर सहमति बनी है, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट को तुरंत खोलना और ईरान के परमाणु खतरे को खत्म करना शामिल है। ट्रम्प ने यह भी कहा कि इजराइल भी इस फैसले में अमेरिका के साथ है। इससे पहले एक्सियोस की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने ट्रम्प से फोन पर बात कर ईरान पर संभावित बड़े हमले को टालने और संयम बरतने की अपील की थी। ईरान पर हमला टालने के ट्रम्प के फैसले के बावजूद संकट अभी खत्म नहीं हुआ है। मिडिल ईस्ट इंस्टीट्यूट के सीनियर फेलो रॉस हैरिसन का मानना है कि अगले कुछ दिन तय करेंगे कि तनाव कम होगा या फिर जंग दोबारा भड़क सकती है।

मॉस्को रेस्टोरेंट में होममेड बम से भीषण धमाका, तीन लोगों की मौत और 21 घायल, जांच जारी

मॉस्को, एजेंसी। रूस की राजधानी मॉस्को में शनिवार शाम को एक बहुत ही भयंकर और खौफनाक हादसा सामने आया है। कुद्रिंस्काया स्क्वायर स्थित एक बहुमंजिला इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर बने मशहूर इटैलियन रेस्टोरेंट बाल्जी रोसी में भीषण धमाका हुआ। इस दर्दनाक हादसे में कम से कम तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है, जबकि 21 अन्य लोग बहुत बुरी तरह से घायल हुए हैं। रूस की सरकारी मीडिया और स्थानीय मॉस्को पुलिस ने इस बड़े और भयंकर हादसे की पूरी तरह से आधिकारिक पुष्टि कर दी है।

शुरुआती रिपोर्टों में प्रशासन द्वारा यह आशंका जताई जा रही थी कि यह भयंकर धमाका गैस सिलेंडर फटने की वजह से हुआ है। लेकिन जांच के बाद यह बड़ा खुलासा हुआ कि एक महिला होममेड बम लेकर इस रेस्टोरेंट में पहुंची थी, जिसके फटने से यह भीषण विस्फोट हुआ। घटना में घायल हुए सभी 21 लोगों का नजदीकी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस के मुताबिक इन घायलों में से कई लोगों की हालत इस समय बेहद नाजुक और बहुत गंभीर बनी हुई है।

रिमोट से किया गया था धमाका : रूसी समाचार पत्र 'कोमर्सेंट' ने अपने विशेष सूत्रों के हवाले से बताया कि यह बम रेस्टोरेंट की समर टेरेस पर मौजूद मेहमानों को निशाना बनाने के लिए था। ऐसी गंभीर आशंका जताई जा रही है कि इस खतरनाक बम को किसी दूसरे व्यक्ति ने रिमोट कंट्रोल की मदद से बहुत दूर से उड़ाया था। ऐसा मुमकिन है कि बम ले जा रही उस महिला को यह जानकारी ही न हो कि उसके पास कोई खतरनाक विस्फोटक चीज मौजूद है। पुलिस अब इस खौफनाक आतंकी साजिश के सभी पहलुओं की बहुत ही गहनता और बारीकी से जांच-पड़ताल कर रही है।

प्राइवेट इवेंट के कारण बची जान : रेस्टोरेंट की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक शनिवार को एक प्राइवेट इवेंट होने की वजह से इसे आम ग्राहकों के लिए पूरी तरह से बंद रखा गया था। अधिकारियों का साफ मानना है कि अगर यह रेस्टोरेंट आम लोगों के लिए खुला होता, तो मौतों की यह संख्या बहुत ज्यादा बड़ी हो सकती थी। धमाका स्थानीय समयानुसार रात करीब आठ बजे से ठीक पहले हुआ, जिसमें बम ले जा रही महिला और रेस्टोरेंट के सिक्योरिटी गार्ड की जान चली गई। इसके अलावा वहां मौजूद एक अन्य निर्दोष ग्राहक ने भी इस भयंकर धमाके की चपेट में आकर मौके पर ही दम तोड़ दिया।

इलाके को किया गया पूरी तरह सील : मॉस्को जांच समिति के मुताबिक तमाम जांच अधिकारी, फोरेंसिक विशेषज्ञ और इमरजेंसी सर्विसेज की विशेष टीमें मौके पर राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। सरकारी समाचार एजेंसी ने एक वीडियो जारी करके दिखाया है कि पूरे इलाके की घेराबंदी करके भारी संख्या में सशस्त्र पुलिस बल तैनात किया गया है।

सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्थानीय प्रशासन ने आम जनता के लिए उस पूरे प्रभावित इलाके को फिलहाल पूरी तरह से बंद कर दिया है। पुलिस लगातार सबूत जुटा रही है ताकि इस खौफनाक बम धमाके के असली कारणों का पता लगाया जा सके।

अज्ञात महिला ने की थी रेस्टोरेंट में घुसने की कोशिश : सरकारी समाचार एजेंसी आरआईए ने बताया कि रूस की आतंकवाद-रोधी समिति के अनुसार, एक अज्ञात महिला ने रेस्टोरेंट में घुसने की कोशिश की लेकिन एक सुरक्षा गार्ड ने उसे रोक दिया। एजेंसी ने कहा कि इसके बाद हुए धमाके में वह महिला, सुरक्षा गार्ड और बाल्जी रॉसी इटैलियन रेस्टोरेंट का एक ग्राहक मारा गया। पुलिस ने बताया कि घायलों को अलग-अलग गंभीरता की चोटें आईं। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी आरआईए ने घटनास्थल पर भारी हथियारों से लैस सुरक्षा अधिकारियों का वीडियो जारी किया। उस इलाके को आम जनता के लिए बंद कर दिया गया था।

मारे गए और घायल लोगों की पहचान नहीं की गई उजागर : अधिकारियों ने मारे गए या घायल हुए लोगों के नाम नहीं बताए और न ही यह बताया कि उनके हिसाब से इसके लिए कौन जिम्मेदार हो सकता है। यूक्रेन के साथ चार साल से ज्यादा समय से चल रही पूरी लड़ाई के बाद रूस की एफएसबी सिक्योरिटी सर्विस ने इस साल की शुरुआत में कहा था कि कीव पर कई हत्याओं और हत्या की कोशिशों के आरोप लगने के बाद अधिकारी बड़े मिलिट्री अधिकारियों की सुरक्षा बढ़ाएंगे। कोमर्सेंट डेली अखबार ने अपने ही सोर्स का हवाला देते हुए कहा कि बम का मकसद रेस्टोरेंट के समर टेरेस के बाहर मजे कर रहे मेहमानों को घायल करना और मारना था। इससे पता चलता है कि बम किसी और ने दूर से ही फोड़ दिया था और उसे ले जा रही महिला को शायद यह नहीं पता था कि यह एक एक्सप्लोसिव डिवाइस है।

अमेरिका: इडाहो के रेस्तरां में अंधाधुंध गोलीबारी, हमलावर समेत तीन लोगों की मौत; दो घायल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के इडाहो राज्य के ट्विन फॉल्स शहर से गोलीबारी की घटना सामने आई है, जहां एक एक फास्ट-फूड रेस्तरां में एक बंदूकधारी ने अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। इस घटना में हमलावर समेत कम से कम तीन लोगों की मारे जाने की खबर है, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। ट्विन फॉल्स शहर के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना शनिवार स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 2:30 बजे हुई। हमलावर ने यहां के फेमस 'इन-एन-आउट बर्गर' रेस्तरां में गोलीबारी शुरू कर दी। हालांकि, अधिकारी ने यह स्पष्ट नहीं किया कि इस घटना में मारे गए तीन लोगों में हमलावर शामिल था या नहीं।

गोलीबारी के बाद अफरा-तफरी का माहौल : दरअसल, पश्चिमी अमेरिकी राज्य इडाहो ट्विन फॉल्स शहर स्थित रेस्तरां में जब गोलीबारी हुई तो, वहां अफरा-तफरी मच गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। इस दौरान कई लोगों को गोली लगी। घटना की सूचना मिलते ही ट्विन फॉल्स पुलिस विभाग ने तुरंत कार्रवाई की। इस गोलीबारी में कम से कम लोगों की मौत की खबर है। हालांकि, पुलिस अभी पीड़ितों और मृतकों की सटीक संख्या का पता लगाने में जुटी हुई है।

कम से कम 3 लोगों की मौत : ट्विन फॉल्स शहर के अधिकारी जोश पामर के अनुसार, इस घटना में तीन लोग मारे गए और दो घायल हुए, लेकिन यह स्पष्ट नहीं था कि हमलावर को भी मृतकों में गिना गया था या नहीं। स्थानीय मीडिया द्वारा वायरल हो रहे वीडियो फुटेज में इन-एन-आउट बर्गर के बाहर एक युवक को लंबी बंदूक के साथ देखा गया। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक अन्य वीडियो में एक दर्जन से अधिक लोगों को रेस्तरां से बाहर भागते हुए दिखाया गया।

पुलिस ने किया ढेर : इस अचानक हुई भयंकर वारदात की खबर मिलते ही भारी पुलिस बल ने तुरंत पहुंचकर पूरे इलाके की बहुत ही कड़ी घेराबंदी कर ली। पुलिस अधिकारियों ने उस हथियारबंद हमलावर को बहुत ही शांति से सरेंडर करने के लिए बार-बार कहा, लेकिन उसने लगातार अपनी फायरिंग जारी रखी। इसके बाद लोगों के बचाव में पुलिस द्वारा की गई कड़ी जवाबी कार्रवाई में वह सिरफिरा हमलावर गोली लगने से मौके पर ही मारा गया। सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहे एक वीडियो में वह शख्स रेस्तरां के सामने अत्याधुनिक ऋस्टाइल की राइफल लहराता दिख रहा है। एक अन्य वीडियो में वही शख्स पार्किंग लॉट में निहत्थे लोगों पर अंधाधुंध गोलियां बरसाता हुआ बहुत ही साफ तौर पर नजर आ रहा है। गोलीबारी शुरू होते ही शॉपिंग सेंटर के पूरे इलाके में भगदड़ मच गई और डरे हुए लोग अपनी जान बचाने के लिए बुरी तरह से इधर-उधर भागने लगे। भयंकर गोलीबारी की सूचना मिलते ही ट्विन फॉल्स के मुस्तैद पुलिस विभाग ने बहुत ही तेजी के साथ अपनी इस बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया।

नेपाल हिंसा : धनुषा से हटी निषेधाज्ञा, जनजीवन हो रहा सामान्य

काठमांडू। नेपाल में बीते हफ्ते भड़की सांप्रदायिक हिंसा के बाद अब धीरे-धीरे शांति लौट रही है। इसी कड़ी में, धनुषा जिले के जनकपुरधाम और आसपास के इलाकों में लागू निषेधाज्ञा सोमवार सुबह 5 बजे से हटा दी गई है। जिला प्रशासन ने बताया कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति सामान्य होने और विभिन्न प्रदर्शनकारी समूहों द्वारा अपने सभी विरोध प्रदर्शनों को वापस लेने के बाद महत्वपूर्ण फैसला हुआ। धनुषा के मुख्य जिला अधिकारी की ओर से जारी सूचना के अनुसार, पिछले कुछ दिनों में सुरक्षा व्यवस्था की गहन समीक्षा की गई, इसके बाद जिला सुरक्षा समिति की बैठक में निषेधाज्ञा हटाने का निर्णय हुआ। गौरतलब है कि लोकल प्रशासन ने 1 अगस्त को क्षेत्र में संभावित तनाव और बिगड़ते हालात को देखकर यह निषेधाज्ञा लागू की थी। अब जनजीवन धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है और लोगों की दैनिक गतिविधियां पहले की तरह शुरू हो गई हैं। प्रशासन ने आम नागरिकों से शांति, सुरक्षा और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने की अपील की है। हालांकि, सांप्रदायिक हिंसा की जांच के दौरान कुछ चौंकाने वाले तथ्य भी सामने आए हैं। नेपाल प्रेस काउंसिल ने पाया कि कुछ मीडिया संस्थानों और सोशल मीडिया ने भ्रामक व सांप्रदायिक सामग्री प्रसारित कर हिंसा और तनाव को बढ़ावा दिया। सुनसरी जिले के देवानगंज ग्रामीण नगरपालिका-3 के कप्तानगंज में पत्रकारिता आचार संहिता के उल्लंघन के 90 ऐसे मामलों की पहचान की गई। यह भी पता चला कि कुछ सोशल मीडिया हैंडल ने कमाई के लालच में विवादित सामग्री हटाने से इंकार किया था, जिससे धार्मिक और सांप्रदायिक सौहार्द को नुकसान पहुंचा। यह पूरा विवाद 26 जुलाई की रात सुनसरी के कप्तानगंज में दो समुदायों के बीच मामूली झड़प के बाद शुरू हुआ था। इस दौरान पुलिस की गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक दर्जन से अधिक लोग घायल हुए। बाद में एक और घायल व्यक्ति की जान चली गई। तनाव सुनसरी से निकलकर सिराहा और जनकपुर तक फैल गया, जिसमें सिराहा में भी हिंसा के दौरान एक व्यक्ति की मौत हुई। कुल मिलाकर तीन लोगों की जान गई। प्रशासन अब ऐसी भड़काऊ गतिविधियों से दूर रहने की अपील कर रहा है।

पीओके में कत्लेआम की रिपोर्टिंग पर पाबंदी: पाकिस्तान ने विदेशी मीडिया पर लगाई रोक

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में जारी भीषण विरोध प्रदर्शनों और हिंसा की रिपोर्टिंग के बाद, शहबाज शरीफ सरकार ने कथित तौर पर विदेशी मीडिया सहित कई प्रमुख डिजिटल समाचार वेबसाइटों पर रोक लगा दी है। यह कदम तब उठाया गया है जब आसिम मुनीर के नेतृत्व वाली पाकिस्तानी सेना पर पीओके में कत्लेआम मचाने के आरोप लग रहे हैं। हालांकि, पाकिस्तान सरकार ने इस संबंध में अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, पीओके में प्रदर्शनों, सुरक्षा बलों की कार्रवाई और बिगड़ते हालात की कवरेज के बाद इन अंतरराष्ट्रीय और डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को पाकिस्तान में एक्सेस नहीं किया जा रहा है। इस शाहबाज सरकार द्वारा अपने नैरेटिव पर नियंत्रण बनाए रखने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है, हालांकि इसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। यह सेंसरशिप कोई नई बात नहीं है। इससे पहले, विदेशी मीडिया ने ही रिपोर्ट किया था कि इस्लामाबाद की एक अदालत में पाकिस्तान की नेशनल साइबर क्राइम इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनसीसीआईए) ने कई यूट्यूब चैनलों को ब्लॉक करने की मांग की थी। इसमें पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान, विपक्षी नेताओं और सरकार की आलोचना करने वाले पत्रकारों से जुड़े चैनल शामिल बताए गए थे। यूट्यूब ने तब 27 कंटेंट क्रिएटर्स को अदालत के निर्देशों का पालन न करने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी थी। इसी बीच, पीओके में जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसीके जोरदार प्रदर्शन जारी हैं। समिति ने कुछ वीडियो जारी कर दावा किया है कि मुजफ्फराबाद में सुरक्षा बलों ने एक निहत्थे व्यक्ति के साथ मारपीट की और सादे कपड़ों में मौजूद एक व्यक्ति ने प्रदर्शनकारियों की ओर गोली चलाई। जेएएसी ने इन आरोपों की स्वतंत्र जांच की मांग कर संयुक्त राष्ट्र, मानवाधिकार संगठनों जैसे ओएचसीएचआर, एमनेस्टी इंटरनेशनल, ह्यूमन राइट्स वॉच, आईसीआरसी और अंतरराष्ट्रीय मीडिया से तत्काल हस्तक्षेप की अपील की है। मानवाधिकार परिषद पाकिस्तान-अधिकृत जम्मू और कश्मीर के हवाले से दावा किया गया है कि मौजूदा अशांति के दौरान अब तक लगभग 80 लोगों की मौत हुई है, जिनमें 76 नागरिक और चार पुलिसकर्मी शामिल बताए गए हैं। हालांकि, इन दावों की भी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। पीओजेके में दूसरे चरण के चुनाव के दौरान भी बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन, सड़क जाम और प्रशासनिक अव्यवस्था की खबरें सामने आई थीं, जिसने चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

समुद्र में 1600 फीट की 'दीवार' बनाएगा स्पेन, मोरक्को से अवैध घुसपैठ के बाद अलर्ट

मैड्रिड, एजेंसी। मोरक्को से घुस आए अवैध प्रवासियों के चलते स्पेन में काफी समस्या हुई है। अब स्पेन ने इससे निपटने के लिए नया तरीका इस्तेमाल करने का फैसला किया है। स्पेन ने घोषणा की है कि वह अपने उत्तरी अफ्रीकी क्षेत्र स्यूटा और पड़ोसी मोरक्को के बीच समुद्री सीमा पर 500 मीटर लंबा (1,600 फीट) बैरियर बनाएगा। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, सेउटा के तटीय इलाके में ताराजल ब्रेकवॉटर के पास एक तैरता हुआ अवरोध लगाया गया था। गौरतलब है कि मोरक्को के साथ लगती स्पेन के सेउटा सीमा पर मरने वालों की संख्या बढ़कर 67 हो गई है। स्पेन सरकार ने शनिवार को यह जानकारी दी।

ब्रेकवॉटर बैरियर को पार कर गए : स्पेन सरकार ने कहाकि मृतकों में कुछ ऐसे लोग शामिल हैं जो डूब गए और कुछ 'ब्रेकवॉटर बैरियर' को पार करने की भगदड़ में मारे गए। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने सेउटा की घटनाओं पर यूरोपीय संघ के कुछ नेताओं की प्रतिक्रिया की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहाकि स्पेन को यूरोपीय संघ के सीमा-रहित शेंगेन क्षेत्र से निलंबित करने की मांग पूर्वाग्रह, फर्जी खबरों, अज्ञानता या राजनीतिक स्वार्थ से प्रेरित है। शनिवार सुबह तैरकर सेउटा के ताराजल तट पर पहुंचे कुछ थके-हारे प्रवासियों को सैनिकों ने सीमा के पार वापस भेज दिया। स्पेन के गृह मंत्रालय का कहना है कि उत्तरी अफ्रीका में स्पेन के इलाके में दाखिल होने वालों में ज्यादातर लोग पहले ही मोरक्को लौट चुके हैं। स्पेन के गृह मंत्री फर्नांडो ग्रांडे-मार्लास्का ने शनिवार को सेउटा में पत्रकारों से कहाकि हम कानून तोड़ने वालों के खिलाफ सख्ती से पेश आते हैं। जब यह सवाल पूछा गया कि दोनों तरफ कड़ी सुरक्षा के बावजूद इतनी बड़ी संख्या में लोग सीमा कैसे पार कर पाए और क्या मोरक्को से सेउटा को कोई खतरा है, तो मार्लास्का ने रबात में मौजूद सरकार का बचाव किया। उन्होंने कहाकि इन घटनाओं का स्पेन और मोरक्को को मिलकर जायजा लेने की जरूरत है। लेकिन पड़ोसी देशों के साथ सहयोग की वजह से ही स्पेन 24 घंटे में हालात को सामान्य कर पाया। उधर, इटली ने स्पेन से आने वाले यात्रियों पर अस्थायी रूप से सीमा पर जांच शुरू कर दी है। फ्रांस ने भी अपनी सीमाओं पर नियंत्रण कड़ा कर दिया है। प्रधानमंत्री सांचेज ने यूरोपीय संघ के गृह मंत्रियों की आपातकालीन बैठक बुलाने का भी आह्वान किया है। करीब 84,000 की आबादी वाले सेउटा शहर पर इस अचानक आए दबाव के कारण स्पेन और पूरे यूरोप में राजनीतिक बहस छिड़ गई है। इटली ने हवाई और समुद्री मार्ग से स्पेन से आने वाले गैर-यूरोपीय संघ के नागरिकों की जांच शुरू कर दी है। इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो ताजानी ने कहा कि यूरोपीय सीमाओं की सुरक्षा के लिए यह कदम आवश्यक था।

पेरू में टूरिस्ट प्लेन क्रैश, क्रू समेत 13 की मौत:सभी 11 पर्यटक यूरोप से थे

नाज्का, एजेंसी। पेरू के नाज्का शहर के पास शनिवार को एक टूरिस्ट प्लेन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में 11 यूरोपीय पर्यटकों समेत 13 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 7 इटली, 2 स्पेन और 2 जर्मनी के पर्यटक शामिल हैं। विमान के पायलट और को-पायलट की भी जान चली गई। यह विमान इका शहर से उड़ान भरकर पर्यटकों को 2000 साल पुरानी नाज्का लाइन्स दिखाने जा रहा था। नाज्का लाइन्स के पास पहुंचने के बाद प्लेन खेत में जाकर गिरा। इसमें आग लग गई। हादसे के बाद प्लेन के मलबे के पास जले हुए शव बिखरे पड़े थे। पेरू सरकार ने हादसे की जांच के आदेश दिए हैं। राष्ट्रपति केइको फुजीमोरी ने घटना पर दुख जताया है और नाज्का एयरपोर्ट का संचालन अस्थायी रूप से रोकने पर भी विचार किया जा रहा है।

14 साल से सीनिक फ्लाइट्स ऑर्गनाइज कर रही थी कपंनी : जो प्लेन हादसे का शिकार हुआ, उसे पेरू की कंपनी 'एरोडियाना' ऑपरेट कर रही थी। एयरलाइन की वेबसाइट के मुताबिक, वह पिछले 14 साल से सेसना ग्रैंड कारवां प्लेन का इस्तेमाल करके नाज्का लाइन्स के ऊपर सीनिक फ्लाइट्स (नजारे दिखाने वाली उड़ानें) की सुविधा दे रहे हैं। हादसे की जांच की जा रही है। एरोडियाना ने कोई कमेंट नहीं दिया।

नाज्का लाइन्स क्या हैं : पेरू की राजधानी लीमा से करीब 400 किमी दक्षिण में नाज्का और पाल्पा के रेगिस्तान में 2,000 साल पुरानी विशाल आकृतियां बनी हैं। माना जाता है कि इन्हें 200 ईसा पूर्व से 600 ईस्वी के बीच नाज्का सभ्यता के लोगों ने बनाया था। गहरे रंग की पत्थरीली सतह हटाकर नीचे की हल्की मिट्टी को उभारने से ये आकृतियां बनाई गईं।

इनमें बंदर, हमिंगबर्ड, मकड़ी, कोंडोर, व्हेल, पेड़ और हाथ जैसी दर्जनों आकृतियां शामिल हैं। कई आकृतियां 100 से 300 मीटर या उससे भी बड़ी हैं, जबकि कुछ सीधी रेखाएं कई किलोमीटर तक फैली हैं।

इन्हें देखने लोग क्यों आते हैं : नाज्का लाइन्स का पूरा आकार जमीन से दिखाई नहीं देता। इन्हें साफ तौर पर केवल विमान, हेलिकॉप्टर, व्यूइंग टावर या आसपास की ऊंची पहाड़ियों से देखा जा सकता है।

यही वजह है कि हर साल हजारों पर्यटक सीनिक फ्लाइट लेकर इन्हें देखने पहुंचते हैं। वैज्ञानिक आज भी इनके उद्देश्य पर एकमत नहीं हैं। इन्हें धार्मिक अनुष्ठानों, जल स्रोतों, खगोलीय गणनाओं या सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़कर देखा जाता है। बेहद शुष्क जलवायु के कारण ये आकृतियां करीब 2,000 साल से सुरक्षित हैं।

नाज्का में पहले भी हो चुके हैं हादसे : पिछले कुछ दशकों में इस मशहूर हैरिटेज साइट पर विमान दुर्घटना का यह पहला मामला नहीं है।

2022 में एक और छोटा पर्यटक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें सवार सात लोगों की मौत हो गई। 2010 में भी एक पर्यटक विमान इसी जगह के ऊपर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें विमान में सवार छह लोगों की मौत हो गई।

बारिश से बेहाल पाकिस्तान: शहरों में बाढ़ जैसे हालात, बांध टूटे, बिजली ठप

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में लगातार हो रही मूसलाधार मानसूनी बारिश ने राजधानी इस्लामाबाद, रावलपिंडी, पेशावर और अटक समेत कई इलाकों में जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। कई शहरों में सड़कें पानी में डूब गई हैं, घरों और दुकानों में बारिश का पानी घुस गया है, बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है और कई जगहों पर सड़कें व छोटे बांध भी टूट गए हैं। मौसम विभाग ने पांच अगस्त तक भारी बारिश, शहरी बाढ़ और पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन की चेतावनी जारी की है।

इस्लामाबाद और रावलपिंडी में सड़कें बनीं नदी : शुक्रवार तड़के हुई तेज बारिश के बाद इस्लामाबाद और रावलपिंडी के कई इलाके जलमग्न हो गए। मरी रोड, कचहरी चौक और पेशावर रोड जैसी प्रमुख सड़कें पानी में डूब गईं, जिससे यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। भारा काहू इलाके में करीब दो फीट तक पानी भर गया। कई वाहन बीच सड़क में फंस गए और बारिश का पानी लोगों के घरों तक पहुंच गया। स्थानीय निवासी मोहम्मद अकरम अब्बासी ने बताया कि हालात इतने खराब थे कि लोगों को खुद लाउडस्पीकर से बच्चों को घरों के अंदर रहने की अपील करनी पड़ी, जबकि तत्काल कोई सरकारी मदद नहीं पहुंची।

लेह नाले का जलस्तर बढ़ा, प्रशासन ने जारी किया अलर्ट : रावलपिंडी के लेह नाले का जलस्तर बढ़कर करीब 10 फीट तक पहुंच गया। इसके बाद जिला प्रशासन ने रेड अलर्ट जारी कर दिया। बारिश के दौरान कई निचले इलाकों में पानी भर गया और लोगों में दहशत फैल गई। स्थिति को और खराब बनाने में अधूरे विकास कार्य भी जिम्मेदार रहे। वॉटर एंड सैनिटेशन एजेंसी की ओर से सैदपुर रोड और असगर मॉल रोड पर की गई खुदाई के कारण सड़कें खतरनाक हो गईं। वहीं, बिजली वितरण कंपनी आईईएससीओ ने सुरक्षा कारणों से कई इलाकों की बिजली काट दी, जिससे लोगों की परेशानियां और बढ़ गईं।

अटक में बांध टूटा, कई परिवारों का सब कुछ बर्बाद : अटक जिले के पिंडिघेब कस्बे में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। यहां मल्लाहवाला गंडा कास नाम का छोटा बांध तेज बारिश के कारण ओवरफ्लो हो गया और उसका तटबंध टूट गया। इसके बाद बाढ़ का पानी कमरियाल और गुंडकास जैसे निचले इलाकों में फैल गया।

स्थानीय लोगों ने क्या-क्या कहा : दर्जनों मकान क्षतिग्रस्त हो गए और कई परिवारों को अपनी छतों पर शरण लेनी पड़ी। किराना दुकानदार मोहम्मद असलम ने बताया कि गंदे पानी के तेज बहाव में उनकी दुकान का अधिकांश सामान खराब हो गया। व्यापारी रशीद महमूद ने कहा कि दुकान में पानी घुसने से ब्रेड, केक, बिस्कुट, रस्क समेत पूरा बेकरी सामान खराब हो गया। फ्रिज, डिस्प्ले काउंटर और अन्य बिजली के उपकरण भी नुकसान की चपेट में आ गए। स्थानीय निवासी शाज़िया बीबी ने बताया कि उनके घर का फर्नीचर, बिस्तर, कपड़े, घरेलू उपकरण और जरूरी दस्तावेज पानी में खराब हो गए। वहीं, अब्दुल कदीर ने कहा कि घर की दीवारों में नमी आ गई है और उनके गिरने का खतरा बना हुआ है।

पेशावर में 120 लोगों को सुरक्षित निकाला गया : पेशावर में शुक्रवार सुबह हुई भारी बारिश के बाद बुधनी नाला उफान पर आ गया। इसके चलते सरदार कॉलोनी पूरी तरह पानी में डूब गई और वहां रहने वाले लोग घरों में फंस गए। रेस्क्यू 1122 के प्रवक्ता बिलाल अहमद फैजी ने बताया कि 40 बचावकर्मियों और चार वाहनों की मदद से 120 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इसके अलावा वारसाक रोड के खुशहाल बाग इलाके से पांच अन्य लोगों को भी बचाया गया। साफिया होम्स और नासिर बाग रोड पर भी राहत दल भेजे गए, हालांकि वहां लोगों को निकालने की जरूरत नहीं पड़ी।

बीआरटी सेवा बंद, 84 बिजली फीडर ठप : बुधनी ब्रिज पर पानी बढ़ने के बाद पेशावर बस रैपिड ट्रांजिट (बीआरटी) सेवा पूरी तरह बंद कर दी गई। इससे हजारों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश और तेज हवाओं के कारण पेशावर इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी के 84 बिजली फीडर भी बंद हो गए। इनमें पेशावर के 41, खैबर के 22, मर्दान के 12, स्वाबी के 5 और स्वात के 4 फीडर शामिल हैं। बिजली आपूर्ति ठप होने से कई जिलों में लोगों को घंटों अंधेरे में रहना पड़ा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

'मुख्यमंत्री मातृशक्ति योजना' के तहत एक्सपायरी चना-दाल की सप्लाई

पांडेसरा में गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य से खिलवाड़

बासी माल भेजकर प्रशासन ने खड़े किए हाथ, सप्लायर का आरोप

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पांडेसरा क्षेत्र में 'मुख्यमंत्री मातृशक्ति योजना' के तहत आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से गर्भवती और धात्री (स्तनपान कराने वाली) माताओं को वितरित किए जाने वाले दाल-चना के राशन का बड़ा हिस्सा एक्सपायरी डेट पार कर चुका और बासी पाया गया है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा जांच के दौरान यह गंभीर लापरवाही सामने आने से प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मच गया है। इससे यह सवाल खड़ा हो गया है कि सरकार गर्भवती महिलाओं और उनके होने वाले नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य के साथ लापरवाही बरत रही है।

पांडेसरा क्षेत्र की 25 से अधिक आंगनवाड़ियों में भेरू भवानी मार्केटिंग यूनिट के माध्यम से गर्भवती और धात्री माताओं को प्रोटीनयुक्त आहार उपलब्ध कराने के लिए तुअर दाल और चना भेजा जाता है। जब आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने पैकेटों की जांच की तो उन पर अंकित एक्सपायरी डेट काफी पहले ही समाप्त हो चुकी थी। जो खाद्य सामग्री मां और बच्चे के लिए पोषण का स्रोत होनी चाहिए थी, वही प्रशासनिक लापरवाही के कारण उनके स्वास्थ्य के लिए खतरा बन गई।

दुकान नंबर 48 के संचालक संजयकुमार नटवरलाल शाह ने बताया कि एक्सपायरी डेट वाला राशन सीधे सरकारी गोदाम से भेजा जाता है। सरकारी गोदाम से जो भी माल भेजा जाता है, उसे व्यापारियों को मजबूरी में स्वीकार करना पड़ता है। यदि व्यापारी खराब या एक्सपायरी माल वापस करने की कोशिश करते हैं, तो गोदाम और संबंधित अधिकारी उसे वापस लेने से साफ इनकार कर देते हैं। इस तरह बासी और खराब माल व्यापारियों पर थोप दिया जाता है।

संजयकुमार शाह ने बताया कि उनकी दुकान के माध्यम से कुल 24 आंगनवाड़ियों को राशन उपलब्ध कराया जाता है। जून-जुलाई माह के लिए 28 जून को आया माल खोलने पर एक्सपायरी पाया गया। वर्तमान में उनकी दुकान में 2311 किलोग्राम चना और 1980 किलोग्राम दाल का बड़ा स्टॉक पड़ा हुआ है। इतनी बड़ी मात्रा में खराब माल जमा होने से दुकान में जगह की भारी कमी हो गई है। बरसात के मौसम में यदि यह माल बाहर रखा जाए तो और अधिक खराब होने की आशंका है। इसके कारण अन्य आवश्यक राशन रखने के लिए भी जगह नहीं बची है।

आरोप है कि एक्सपायरी माल मिलने के बाद व्यापारी ने सरकारी गोदाम प्रबंधक और जोनल अधिकारी केतु कावड़ को कई बार व्यक्तिगत रूप से तथा फोन पर शिकायत की। अधिकारियों ने आश्वासन दिया था कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से लिखित रिपोर्ट लेकर माल वापस ले लिया जाएगा। लेकिन बार-बार शिकायत और संपर्क के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। दूसरी ओर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने भी इस माल को स्वीकार करने या वापस लेने से इनकार कर दिया है। आरोप है कि अधिकारी एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालकर मामले से बचने की कोशिश कर रहे हैं। अब नए महीने का पोषण राशन वितरण के लिए पहुंच चुका है, जिससे व्यापारियों की चिंता और बढ़ गई है।

उनका कहना है कि यदि लाभार्थियों या आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से नए राशन के लिए बायोमेट्रिक (अंगूठा) सत्यापन कराया जाएगा, तो सिस्टम में पुराने एक्सपायरी दाल-चना के स्टॉक को भी वितरित दिखाया जा सकता है। इससे या तो यह खराब राशन रिकॉर्ड में बांटा हुआ दिखा दिया जाएगा या फिर वास्तव में गर्भवती महिलाओं तक पहुंच सकता है।

इस गंभीर मामले को देखते हुए दोषी अधिकारियों और सप्लायरों के खिलाफ तत्काल जांच समिति गठित कर कड़ी कार्रवाई करने की मांग उठ रही है।

सूरत में किन्नरों के दो गुट आमने-सामने घर में घुसकर चाकू से किया हमला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के लसकाणा क्षेत्र में किन्नरों के दो गुटों के बीच पुरानी रंजिश के चलते खूनी संघर्ष का मामला सामने आया है। अमरोली क्षेत्र में रहने वाले और शहर के विभिन्न इलाकों में मांगकर आजीविका चलाने वाले 29 वर्षीय किन्नर सपनाकुंवर नंदनीकुंवर पर पांच किन्नरों ने मिलकर जानलेवा हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि रेलवे स्टेशन पर हुई कहासुनी के बाद आरोपी रंजिश रखते हुए लसकाणा स्थित उनके घर तक पहुंच गए।

रेलवे स्टेशन पर माता की पूजा को लेकर हुए विवाद के बाद 5 लोगों का हमला, रसोई बनी खून से लाल

घटना के अनुसार,30 जुलाई 2026 को दोपहर करीब 2 बजे सपनाकुंवर अपने अन्य किन्नर साथियों के साथ सूरत रेलवे स्टेशन पर मौजूद थे। इस दौरान वे चैत्र माह में महाकाली माता की पूजा को लेकर आपस में चर्चा कर रहे थे। तभी पास में बैठी खुशीकुंवर नाम की किन्नर ने यह कहते हुए कि 'तुम लोग मेरी बातें क्यों कर रहे हो', गाली-गलौज शुरू कर दी। देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया।

रेलवे स्टेशन से लौटने के बाद शाम करीब 7 बजे सपनाकुंवर अपने मित्र दीपकुंवर के लसकाणा स्थित विपुलनगर स्थित घर पहुंचे। वहां वे दीपकुंवर और समीराकुंवर के साथ रात का भोजन बना रहे थे। रात करीब 8 बजे रेलवे स्टेशन पर हुए विवाद की रंजिश रखते हुए शुभकुंवर, ब्यूटीकुंवर और लकड़ी का डंडा लेकर आए जमनाकुंवर जबरन घर में घुस गए।

घर में घुसते ही आरोपियों ने सपनाकुंवर और उनके साथियों के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और धक्का-मुक्की करते हुए मारपीट करने लगे। इस दौरान शुभकुंवर और ब्यूटीकुंवर ने सपनाकुंवर को पकड़ लिया, जबकि जमनाकुंवर ने लकड़ी के डंडे से उनके शरीर पर ताबड़तोड़ वार किए।

मारपीट के दौरान खुशीकुंवर भी घर में पहुंच गई और सपनाकुंवर को सीने पर लात मारकर जमीन पर गिरा दिया। इसके बाद उसने रसोई में रखा सब्जी काटने का चाकू उठाकर सपनाकुंवर पर हमला करने का प्रयास कि या। बचाव में सपनाकुंवर ने अपना दाहिना हाथ आगे कर दिया, जिससे चाकू उनके हाथ में लग गया और वे लहूलुहान हो गए।

इसी बीच पीछे से आई मान्याकुंवर ने भी सपनाकुंवर को सीने पर लात मारी और बाल पकड़कर जमीन पर पटक दिया। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा होने लगे, जिसके डर से सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल सपनाकुंवर को उनके साथियों ने पहले दीनबंधु अस्पताल और बाद में बेहतर इलाज के लिए नई सिविल अस्पताल में भर्ती कराया।

इलाज के बाद सपनाकुंवर ने लसकाणा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने जमनाकुंवर, शुभकुंवर, ब्यूटीकुंवर, खुशीकुंवर और मान्याकुंवर के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की संबंधित धाराओं तथा हथियारबंदी संबंधी सार्वजनिक अधिसूचना के उल्लंघन के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

मामले की आगे की जांच सहायक उपनिरीक्षक भम्मर को सौंपी गई है।

GTU के कार्यवाहक कुलपति बने वैभव भट्ट

सर्च कमेटी का गठन नहीं होने से स्थायी नियुक्ति की जगह प्रभारी वीसी की नियुक्ति

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (GTU) की पहली महिला कुलपति डॉ. राजुल गज्जर का तीन वर्ष का कार्यकाल आज (3 अगस्त) समाप्त हो गया। इसके बाद GTU के प्रोफेसर और स्कूल ऑफ एप्लाइड साइंस के निदेशक डॉ. वैभव भट्ट को विश्वविद्यालय का कार्यवाहक (इंचार्ज) कुलपति नियुक्त किया गया है।

हालांकि, कार्यवाहक कुलपति को विश्वविद्यालय का प्रशासनिक कार्य संभालने का अधिकार होता है, लेकिन वे किसी बड़े नीतिगत या महत्वपूर्ण फैसले लेने के लिए अधिकृत नहीं होते।

डॉ. वैभव भट्ट ने सरदार पटेल विश्वविद्यालय से माइक्रोबायोलॉजी में एम.एससी. तथा बायोटेक्नोलॉजी में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। इसके अलावा वे वर्ष 2020 से 2022 के दौरान GTU के AIC-GISC फाउंडेशन में मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) के रूप में भी कार्य कर चुके हैं।

नियमों के अनुसार, कुलपति का कार्यकाल समाप्त होने से कम से कम तीन महीने पहले सर्च कमेटी का गठन किया जाना चाहिए, लेकिन प्रक्रिया शुरू नहीं होने के कारण नए स्थायी कुलपति की नियुक्ति फिलहाल अटक गई है। इसी वजह से गुजरात यूनिवर्सिटी की तरह GTU में भी फिलहाल कार्यवाहक कुलपति की नियुक्ति करनी पड़ी है।

डॉ. राजुल गज्जर को अगस्त 2023 में राज्य सरकार ने तीन वर्ष के लिए GTU का कुलपति नियुक्त किया था। वे GTU के इतिहास की पहली महिला कुलपति बनी थीं। इससे पहले वे भारतीय शिक्षक शिक्षा संस्थान (IITE) की कुलपति भी रह चुकी हैं। वर्ष 2016 में वे लगभग सात महीने तक GTU की कार्यवाहक कुलपति भी रही थीं।

वर्ष 2007 में स्थापित GTU आज गुजरात की सबसे बड़ी तकनीकी यूनिवर्सिटी है। इससे 480 से अधिक इंजीनियरिंग, फार्मेसी, मैनेजमेंट और डिप्लोमा संस्थान संबद्ध हैं तथा यहां चार लाख से अधिक छात्र अध्ययन कर रहे हैं।

सामान्य प्रक्रिया के अनुसार, कुलपति पद खाली होने से पहले सर्च कमेटी गठित की जाती है और उसके बाद विज्ञापन जारी कर आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। इसके पश्चात उम्मीदवारों की जांच और चयन की प्रक्रिया पूरी की जाती है, जिसमें सामान्यत: दो से तीन महीने का समय लगता है।

लेकिन अभी तक तज्ञ में नए कुलपति की नियुक्ति के लिए सर्च कमेटी का गठन नहीं किया गया है। राज्य सरकार इस संबंध में कब निर्णय लेगी, यह भी अभी स्पष्ट नहीं है।

स्थायी कुलपति की नियुक्ति में समय लगने के कारण डॉ. राजुल गज्जर का कार्यकाल समाप्त होते ही विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कार्यों को जारी रखने के लिए डॉ. वैभव भट्ट को कार्यवाहक कुलपति नियुक्त किया गया है। हालांकि, उनके प्रशासनिक अधिकार सीमित रहेंगे और वे केवल नियमित कार्यों का संचालन कर सकेंगे।

उत्राण पुलिस स्टेशन के शौचालय की खिड़की तोड़कर आरोपी फरार

19 किमी दूर कडोदरा से दबोचा गया

5 लाख रुपये के एमडी ड्रग्स मामले में हुआ था गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के उत्राण पुलिस स्टेशन में तैनात पुलिसकर्मियों को चकमा देकर 5 लाख रुपये की एमडी ड्रग्स के साथ पकड़ा गया एक आरोपी शौचालय की खिड़की का शीशा तोड़कर पुलिस हिरासत से फरार हो गया। इस घटना से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। आरोपी ने पेट दर्द और कब्ज की शिकायत का बहाना बनाकर पूरी साजिश रची थी। हालांकि, उत्राण पुलिस ने एएसआई हिम्मतभाई गंधुभाई की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर कुछ ही घंटों में आरोपी को 19 किलोमीटर दूर कडोदरा चार रास्ता के पास से गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी के अनुसार, मूल रूप से जूनागढ़ जिले के विसावदर तहसील के रावणी गांव का निवासी और वर्तमान में उत्राण स्थित राधे रेसिडेंसी में रहने वाला केतनभाई उर्फ वकील मनसुखभाई पटेल (29 वर्ष) एनडीपीएस एक्ट के तहत 5 लाख रुपये की एमडी ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया गया था और पुलिस रिमांड पर था।

सुबह करीब 5:15 बजे उसने उच्च रक्तचाप (बीपी), कब्ज और पेट दर्द की शिकायत करते हुए पुलिसकर्मियों से दवा देने की मांग की। उसने बताया कि उसकी पत्नी मेनाबेन पहले से कब्ज की दवा देकर गई थी, जिसे देने का अनुरोध उसने पुलिस से किया।

पुलिस ने मानवीय आधार पर उसे दवा दी और जांच कक्ष के पास स्थित सार्वजनिक शौचालय जाने की अनुमति दी। शौचालय में जाने के बाद आरोपी ने अंदर से दरवाजा बंद कर लिया और पानी का नल

खोल दिया। कुछ ही देर बाद शीशा टूटने की आवाज सुनकर बाहर मौजूद पुलिसकर्मी सतर्क हो गए। उन्होंने दरवाजा खोलने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं खुला।

इसी दौरान शौचालय के पीछे की ओर किसी चीज के गिरने की आवाज आई। पुलिसकर्मी तुरंत बाहर पहुंचे तो पता चला कि आरोपी पीछे की खिड़की का शीशा तोड़कर सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाते हुए हिरासत से फरार हो गया। वह पुलिस स्टेशन की पिछली दीवार फांदकर अंधेरे का फायदा उठाते हुए भाग निकला।

घटना की जानकारी तत्काल पीआई एच.आर. गोस्वामी और जांच अधिकारी पीएसआई आर. डी. धाधल को दी गई। पुलिस ने आसपास के इलाकों और संभावित ठिकानों पर नाकाबंदी कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी। सूरत पुलिस ने शहर के सभी प्रमुख निकास मार्गों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया। अलग-अलग टीमें बनाकर मुखबिरों और सर्विलांस तकनीक की मदद से आरोपी की खोज की गई।

कुछ ही घंटों के भीतर पुलिस ने उत्राण पुलिस स्टेशन से करीब 19 किलोमीटर दूर कडोदरा चार रास्ता के पास आरोपी केतन उर्फ वकील मनसुखभाई पटेल को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी।

इस मामले में आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 262, 324(3)तथा प्रिवेंशन ऑफ डैमेज टू पब्लिक प्रॉपर्टी एक्ट के तहत नया मामला दर्ज कर विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

'नेता आंखों पर पट्टी बांधकर गांधारी बने बैठे हैं'

25 दिनों में तीसरी बार जलभराव से मगोब के लोग आक्रोशित

पार्षद के जवाब से फूटा गुस्सा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के मगोब क्षेत्र में पिछले 25 दिनों में लगातार तीसरी बार खाड़ी का पानी भरने से स्थानीय लोगों का सब्र टूट गया है। घर, दुकानें और सड़कें पानी में डूब जाने से लोगों में भारी नाराजगी है। इस बार क्षेत्र की महिलाओं ने मोर्चा संभालते हुए प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के खिलाफ खुलकर विरोध जताया।

महिलाओं ने साफ शब्दों में कहा कि, 'चुनाव के समय नेता हाथ जोड़कर वोट मांगने आते हैं, लेकिन बाढ़ जैसी स्थिति में कोई दिखाई नहीं देता। यदि इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ तो 2027 के चुनाव में इस क्षेत्र से एक भी वोट नहीं मिलेगा।'

जलभराव के कारण माधवबाग, ऋषि विहार और आसपास के इलाकों में लोगों का रोजगार, व्यापार और दैनिक जीवन गंभीर रूप से प्रभावित हुआ है। जब स्थानीय महिलाओं ने अपनी समस्या बताने के लिए क्षेत्र के पार्षद दिनेश राजपुरोहित को फोन किया, तो उन्होंने कथित तौर पर गैर-जिम्मेदाराना जवाब देते हुए कहा कि, 'बारिश का पैटर्न बदल गया है, इस बार किसके घर में पानी घुसा है?'

इस पर नाराज महिलाओं ने जवाब दिया, 'घरों में पानी नहीं घुसा, लेकिन सड़कें और गलियां पूरी तरह जलमग्न हैं। पिछले तीन दिनों से न तो सूरत में और न ही ऊपरी क्षेत्रों में बारिश हुई है, फिर भी खाड़ी का पानी क्यों नहीं उतर रहा? क्या जनता को बेवकूफ समझ रखा है? सिर्फ लॉलीपॉप देकर बहलाने की कोशिश की जा रही है।' महिलाओं ने आरोप लगाया कि खाड़ी डायवर्जन के नाम पर केवल खानापूर्ति की जा रही है।

स्थानीय निवासी अलकाबेन पटेल ने कहा, 'हम नेताओं से तंग आ चुके हैं। जो नेता आंखों पर पट्टी बांधकर गांधारी बने बैठे हैं, उनसे कहिए कि अब पट्टी खोलें और जनता की आवाज सुनें। बच्चे, महिलाएं और नौकरी पर जाने वाले लोग परेशान हैं। सूरत महानगरपालिका पूरे गुजरात की सबसे अमीर नगरपालिकाओं में गिनी जाती है, फिर करोड़ों रुपये आखिर कहां खर्च हो रहे हैं? अगर पंजाब में सिंधु नदी के पानी को रोका जा सकता है तो मगोब की खाड़ी का पानी क्यों नहीं रोका जा सकता? यह प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि मनपा की घोर लापरवाही से पैदा हुई कृत्रिम आपदा है।'

एक अन्य महिला निवासी कल्पनाबेन पटेल ने कहा, 'हम प्रशासन से स्थायी समाधान की मांग कर रहे हैं। यदि 10-15 साल में एक बार बाढ़ आए तो उसे प्राकृतिक आपदा माना जा सकता है, लेकिन यहां हर साल मानसून में तीन-तीन बार पानी भर जाता है। लोग मजाक का पात्र बन गए हैं। डेढ़-डेढ़ करोड़ रुपये के मकान लोग मजबूरी में 40-50 लाख रुपये में बेचने को मजबूर हैं। पिछले 10 वर्षों से यह स्थायी समस्या बनी हुई है। आखिर जनता कब तक यह पीड़ा झेलेगी? प्रशासन और नेताओं की मिलीभगत का खामियाजा आम लोग भुगत रहे हैं।'

स्थानीय वरिष्ठ नागरिक भूपतभाई पटेल ने मनपा के खाड़ी सफाई अभियान पर सवाल उठाते हुए कहा, 'यह पूरी तरह प्रशासन और उसके ऊपर बैठे नेताओं की विफलता है। सफाई के नाम पर करोड़ों रुपये के टेंडर पास होते हैं, लेकिन काम केवल कागजों में होता है। जेसीबी से खाड़ी में थोड़ा-बहुत मिट्टी हटाकर दिखावा किया जाता है और करोड़ों रुपये के बिल पास हो जाते हैं। जब पूछा जाता है कि कितनी मिट्टी निकाली गई, तो जवाब मिलता है कि तीन-चार ट्रॉली। डंपर क्यों नहीं लगाए जाते, तो बहाना बनाया जाता है कि डंपर पंचर है। पूरी खाड़ी सफाई में सिर्फ भ्रष्टाचार हो रहा है।'

मगोब क्षेत्र में लगातार हो रही परेशानी के विरोध में 100 से अधिक सोसायटियों के लोगों ने बैठक कर बड़े जनआंदोलन का ऐलान किया है। निर्णय लिया गया है कि अगले दो दिनों के भीतर ढोल-नगाड़ों के साथ रैली निकालकर सूरत महानगरपालिका आयुक्त कार्यालय और जिला कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया जाएगा।

रहवासियों ने स्पष्ट किया कि यदि स्थानीय पार्षद या विधायक उनकी समस्या का समाधान नहीं कराते हैं तो वे अपनी मांग लेकर महापौर, गांधीनगर और आवश्यकता पड़ने पर दिल्ली तक सांसद गोविंदभाई भगत के पास जाएंगे। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन जल्द स्थायी समाधान नहीं लाता, तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।